दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 119 | संभल, शनिवार 11 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

आवश्यकता है
मेरठ, हापुड़, बरेली, गाज़ियाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ आदि शहरो में जनपद स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक स्तर पर पत्रकारों की आवश्यकता है।
सम्पर्क सूत्र
मोब.- 8630704122

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...
पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

लखनऊ में नेशनल इंटरवेंशनल कार्उसिल का शुभारंभ

हमारी दिनचर्या बदली तो परिणाम हमारे सामने हैं :सीएम

नियमित दिनचर्या हमेशा से स्वस्थ जीवन का आधार रही है

अधिक स्मार्टफोन के उपयोग ने नई बीमारियों को जन्म दिया

लखनऊः लखनऊ में नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि आज हमारी दिनचर्या बदली है तो परिणाम और चुनौतियां हमारे सामने हैं। राजधानी लखनऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का शुभारंभ हुआ। समारोह कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया की तरफ से आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। लखनऊ इस मौके पर सीएम ने कहा कि हमारे देश में प्राचीनकाल से ही समय पर जगना, सोना और संतुलित आहार लेना हमारी दिनचर्या का हिस्सा रहा है। लेकिन, दिनचर्या बदली, लाइफस्टाइल बदली तो परिणाम भी हमारे सामने हैं और चुनौतियां भी। सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना और किफायती उपचार के विस्तार पर काम कर रही है। दूसरी ओर, समाज को बीमारियों से पहले ही सुरक्षित करने की रणनीति यानी ह्यबचावह्ल को प्राथमिकता देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यही द्विस्तरीय दृष्टिकोण आने वाले भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार बनेगा और विकसित भारत की परिकल्पना को वास्तविकता में बदलने की दिशा तय करेगा। नियमित दिनचर्या हमेशा से स्वस्थ जीवन का आधार रही है उन्होंने कहा कि नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज आज समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। जबकि, भारत की परंपरा में संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या हमेशा से स्वस्थ जीवन का आधार रही है। बदलती जीवनशैली के चलते उत्पन्न चुनौतियों के बीच अब स्वास्थ्य के दो प्रमुख आयाम-बचाव और उपचार स्पष्ट रूप से सामने हैं। सीएम ने आगे कहा कि जिस तेजी से नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियां बढ़ रही हैं। समाज का बड़ा वर्ग इसकी चपेट में आ रहा है, वह गंभीर चिंता का विषय है। पहले गंभीर बीमारी का मतलब पूरे परिवार के लिए आर्थिक संकट होता था, क्योंकि न पर्याप्त स्वास्थ्य संस्थान थे और न ही विशेषज्ञों की उपलब्धता। लेकिन, पिछले वर्षों में स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से आज देश के लगभग 55-60 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है। 1400 करोड़ रुपये उपचार के लिए जनता को उपलब्ध कराए गए उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से लगभग 1400 करोड़ रुपये उपचार के लिए जनता को उपलब्ध कराए गए, जो सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण है। हाल ही में शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, आशा वर्कर्स, एएनएम तथा मिड-डे मील से जुड़े रसोइयों को भी इस योजना में कवर किया गया है। ताकि, समाज का एक बड़ा वर्ग अब स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में आ गया है। एक दशक पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित थे, जो 25 करोड़ की आबादी के लिए बेहद अपर्याप्त थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 81 हो गई है।

चुनावी रैली में भाजपा पर बरसीं ममता

सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन उनपर नहीं

कोलकाता : ममता बनर्जी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए असम चुनाव में बाहर से लोग लाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश की सभी एजेंसियों को खरीद लिया है और उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर तीखा हमला किया। उत्तर 24 परगना जिले के टेंटुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को असम के स्थानीय लोगों के वोटों पर भरोसा नहीं था। इसलिए पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए बाहर से लोग बुलाए। ममता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश से 50,000 लोगों को ट्रेन में भरकर असम लाया गया। मालदा की घटना पर भड़कीं सीएम ममताः बोलीं- 'मेरी सारी शक्तियां छीन लीं', चुनाव आयोग और भाजपा पर भी साधा निशाना ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के राज में देश की कोई भी एजेंसी निष्पक्ष नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसरिया पार्टी ने सभी एजेंसियों को खरीद लिया है। भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, 'एक सांप पर तो भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर कभी नहीं।' पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच जुबानी जंग काफी तेज हो गई है। रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 90 लाख नाम हटा दिए गए हैं। एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि इन 90 लाख नामों में से 60 लाख हिंदू और 30 लाख मुस्लिम हैं। उन्होंने असम के एनआरसी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी 19 लाख नाम लिस्ट से बाहर किए गए थे, जिनमें 13 लाख हिंदू और 6 लाख मुस्लिम थे। ममता बनर्जी ने लोगों को आगाह किया कि वे भाजपा पर कभी विश्वास न करें। असम की 126 सीटों के लिए गुरुवार को मतदान हुआ था।

सार संक्षेप

पहले चरण में अब तक 5.72 लाख से ज्यादा परिवारों ने की स्व-गणना

नईदिल्ली। भारत के महापंजीयक (आरजीआई) ने शुक्रवार को कहा कि जनगणना 2027 के पहले चरण के दौरान अब तक 5.72 लाख से अधिक परिवारों ने स्व-गणना सुविधा का लाभ उठाया है। महापंजीयक ने कहा कि यह जनगणना की डिजिटल पहल में बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। इसने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ऑनलाइन अपनी जानकारी प्रदान करने का विकल्प चुनकर इन परिवारों ने राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का एक तेज, स्मार्ट और अधिक सुविधाजनक तरीका अपनाया है। स्व-गणना की सुविधा उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नागरिकों के लिए उपलब्ध है जहां 16 अप्रैल से भौतिक मकान सूचीकरण और मकान की गणना (एचएलओ) शुरू होगी। राष्ट्रीय राजधानी के नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली छावनी क्षेत्रों सहित आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक अप्रैल को जनगणना 2027 की शुरूआत हुई, जिसमें 15 दिनों की स्व-गणना अवधि रखी गई है जो इस विशाल अभ्यास के इतिहास में पहली बार हो रहा है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गोवा, कर्नाटक, सिक्किम, ओडिशा, लक्षद्वीप, मिजोरम और राष्ट्रीय राजधानी के एनडीएमसी एवं छावनी बोर्ड के क्षेत्रों के लिए स्व-गणना को लेकर विशेष रूप से विकसित पोर्टल खोला गया है, जहां नागरिक सूचीबद्ध प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। आवश्यक विवरण प्रदान करने और प्रश्नों के उत्तर देने के बाद नागरिकों को एक विशेष पहचान पत्र प्राप्त होगा, जिसे वे एचएलओ प्रक्रिया के दौरान सत्यापन के लिए उनके घरों में आने वाले जनगणनाकर्मियों को प्रदान करेंगे।

मथुरा में बड़ा हादसा

यमुना में पुल से टकराकर पलटी नाव, पंजाब के 10 श्रद्धालुओं की मौत

मथुराः वृंदावन और मान के बीच यमुना नदी में शुक्रवार को एक नाव पांटून पुल से टकरा गई। इस दुर्घटना में कई लोग यमुना में डूब गए। यह घटना केसी घाट के पास हुई। पुल वृंदावन और मान के बीच बना हुआ है। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। केसी घाट पर श्रद्धालुओं से भरी एक नाव पंटून पुल से टकराकर यमुना नदी में पलट गई। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मिलकर बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। गोताखोर यमुना के गहरे पानी में डूबे हुए लोगों की तलाश में जुटे हैं। 10 श्रद्धालुओं की मौत इस दुर्घटना में नाव सवार करीब 25 श्रद्धालु यमुना के पानी में डूब गए। पुलिस की टीम ने गोताखोरों की मदद से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इनमें से एक श्रद्धालु को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। दुखद रूप से, इस हादसे में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। डीआईजी शैलेश कुमार पांडे ने इसकी पुष्टि की है। बचाव कार्य और स्थिति सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने बिना देर किए बचाव अभियान शुरू कर दिया। दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आ रही है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और बचाव दल का सहयोग करने की अपील की है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। पंजाब से आया था 150 लोगों का दल जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि 150 लोगों का दल लुधियाना, पंजाब और मुक्तेश्वर से आया है और ये सभी उनमें ही शामिल थे। बताया गया है जिस नाव में लोग सवार थे वो भी पलट कर डूब गई है और उसकी तलाश भी जारी है। जिसकी यह नाव है वो प्राइवेट नाविक था। सीएम योगी ने जताया दुख हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्य संचालित करने और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

सुप्रीम कोर्ट ने बच्ची से दुष्कर्म-हत्या मामले पर जताया शोक

नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गाजियाबाद में चार वर्षीय लड़की से दुष्कर्म और उसकी हत्या की वीभत्स घटना पर गहरा शोक जताते हुए शुक्रवार को इस मामले में हस्तक्षेप किया और पुलिस आयुक्त तथा जांच अधिकारी को 13 अप्रैल को मामले के रिकॉर्ड के साथ पेश होने को कहा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने मृतक बच्ची के पिता (जो एक दिहाड़ी मजदूर हैं) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन की दलीलों पर गौर किया और मामले में अब तक राज्य पुलिस द्वारा की गई जांच के तरीके पर नाराजगी जतायी। प्रधान न्यायाधीश ने राज्य पुलिस और उन दो निजी अस्पतालों से नाखुशी जताई, जिन्होंने कथित दुष्कर्म के बाद घायल बच्ची का इलाज करने से इनकार कर दिया था। न्यायालय ने इसे ष्घोर उदासीनताष और ष्संवेदनहीन रवैयाष बताया। गौरतलब है कि 16 मार्च को बच्ची का एक पड़ोसी उसे कथित तौर पर चॉकलेट दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया और जब बच्ची घर नहीं लौटी तो खोजबीन के दौरान उसके पिता ने उसे बेहोश और खून से लथपथ हालत में पाया। बाद में गाजियाबाद के एक सरकारी अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी।

बंगाल में मतदाता सूची फ्रीज करने का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, 13 अप्रैल को सीजेआई की पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को फ्रीज करने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। चुनाव आयोग के इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 13 अप्रैल को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने शुक्रवार को इस मामले पर नई याचिका के साथ लंबित याचिकाओं पर भी विचार करने पर सहमति जताई। चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान वाली विधानसभा सीटों के लिए नौ अप्रैल को मतदाता सूची को अंतिम रूप देते हुए फ्रीज कर दिया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। मतदाता सूची फ्रीज करने का मतलब है कि इस विधानसभा चुनावों के लिए सूची में किसी भी नए व्यक्ति को जोड़ा नहीं जा सकेगा, जिसका नाम हटा दिया गया है। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ के समक्ष एक वकील ने मतदाता सूची को फ्रीज करने के फैसले के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया। वकील ने बताया कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ कई अपीलें अभी भी लंबित हैं, जबकि चुनाव आयोग ने नौ अप्रैल को ही सूची को फ्रीज कर दिया है। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम 13 अप्रैल को याचिका पर विचार करेंगे। चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डी. एस. नायडू ने बताया कि सूची फ्रीज करने की अंतिम तिथि नौ अप्रैल थी और उसके बाद किसी भी नए नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। नायडू ने यह भी कहा कि वोट देने का अधिकार बना रहेगा और ये याचिकाकर्ता भी वैसे ही हैं, जैसे वे अन्य लोग जिनकी अपीलों को स्वीकार किया गया था।

कांग्रेस ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, महिला आरक्षण पर यू-टर्न का लगाया आरोप

नईदिल्ली। कांग्रेस ने महिला आरक्षण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक लेख का हवाला देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में महिलाओं का समर्थन हासिल करने तथा शासन एवं विदेश नीति में अपनी विफलताओं को छुपाने के मकसद से 30 महीने बाद महिला आरक्षण के विषय पर यू-टर्न लिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को देश की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री ने खुद को लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण के एकमात्र चौंपियन के रूप में पेश करने की कोशिश में मीडिया में लेख लिखना शुरू कर दिया है। दरअसल, उन्हें भारत की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को उसी वर्ष संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया था तो कांग्रेस ने इसे 2024 से ही लागू करने की मांग की थी, लेकिन यह प्रधानमंत्री को स्वीकार्य नहीं था। प्रधानमंत्री ने महिला आरक्षण को परिसीमन और उस जनगणना की कवायद पर निर्भर बना दिया था, जिसे वह कराने में विफल रहे और फिर कई वर्षों तक टालते रहे। उन्होंने दावा किया कि अब जब निर्वाचन आयोग के केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय के रूप में कार्य करने के बावजूद विधानसभा चुनावों में (भाजपा की) हार तय नजर आ रही है तब 30 महीनों बाद प्रधानमंत्री ने अपना मन बदल दिया है। वह चाहते हैं कि हम जनगणना को भूल जाएं और जनगणना आधारित परिसीमन को इस आधार पर भूल जाएं कि इसमें बहुत लंबा समय लगेगा। यह इस तथ्य के बावजूद है कि उनके जनगणना पंजीयक ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के परिणाम 2027 तक सामने आ जाएंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह एक कहानी है जो झूठ और गोलमोल बातों पर आधारित है। यह सब इस उम्मीद से किया गया है कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की महिलाएं भाजपा का समर्थन करेंगी। आखिरकार, भाजपा के पास इन राज्यों में किसी अन्य मुद्दे पर कोई सार्थक विमर्श नहीं है। यह मोदी सरकार का यू-टर्न है, जो विपक्ष के साथ जुड़ने की उसकी अनिच्छा और योजना की पूर्ण कमी को उजागर करता है।

अमित शाह ने जारी किया बंगाल के लिए भाजपा का संकल्प पत्र, महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने आज कोलकाता में पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल में एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकल्प लेते हुए राज्य की जनता से श्सोनार बांग्लाश बनाने का वादा किया। अमित शाह ने वर्तमान राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल की जनता अब तुष्टिकरण, तानाशाही और वसूली की राजनीति से तंग आ चुकी है और राज्य में एक पारदर्शी और विकासोन्मुखी सरकार चाहती है। उन्होंने महिलाओं के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। बंगाल बीजेपी का संकल्प पत्र जारी करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा आज भारतीय जनता पार्टी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया है। यह घोषणापत्र बंगाल के सभी वर्गों में फैली गहरी निराशा को दूर करने का एक मार्ग दिखाता है। यह फसल खराब होने के कारण अनिश्चितता का सामना कर रहे किसानों, बेरोजगार युवाओं और डर के साए में जी रही महिलाओं को एक नई दिशा प्रदान करता है। साथ ही, यह बंगाल की संस्कृति और उसके गौरव को लेकर चिंतित हर नागरिक में नई आशा और आत्मविश्वास जगाता है। अमित शाह ने कहा एक ह्यविकसित भारतह्ल की परिकल्पना इस ह्यसंकल्प पत्रह्ल में झलकती है। ये 15 वर्ष, एक तरह से बंगाल और यहां की जनता के लिए एक अंधकारमय दौर की तरह रहे हैं। बड़ी उम्मीदों के साथ, बंगाल की जनता ने ममता दीदी को कम्युनिस्ट शासन से मुक्ति दिलाने का जनादेश दिया था। यह कहते हुए कि पांच वर्ष पर्याप्त नहीं थे, जनता ने उन्हें दूसरी बार जनादेश दिया और फिर तीसरी बार भी।

मोदी ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने पर नीतीश कुमार को बधाई दी

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली तथा इसी के साथ राज्य में नये मुख्यमंत्री की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने अपने कक्ष में एक संक्षिप्त समारोह के दौरान उन्हें शपथ दिलाई। सभापति ने बाद में उन्हें उच्च सदन का सदस्य बनने और संसद में वापसी पर शुभकामनाएं भी दीं। कुमार ने हिंदी में शपथ ली। इस दौरान केंद्रीय मंत्री एवं सदन के नेता जे. पी. नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर और विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद थे। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। जनता दल-यूनाइटेड (जद यू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी तथा लोकसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक संजय जायसवाल भी शपथ ग्रहण के दौरान मौजूद थे। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने शपथ ग्रहण की तस्वीरें साझा करते हुए श्एक्सश पर कहा, भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने बिहार से निर्वाचित राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार को आज संसद भवन में शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद कुमार नये संसद भवन से बाहर आए और उस समय के बारे में बात की, जब वह लोकसभा के सदस्य थे और पुराने संसद भवन में बैठते थे। कुमार के राज्यसभा सदस्य की भूमिका संभालने के साथ ही बिहार में उनके करीब दो दशक लंबे शासन का अंत होने जा रहा है। वह जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 14 अप्रैल को बिहार का नया मुख्यमंत्री चुनने की संभावना है। कुमार राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद 30 मार्च को राज्य विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे चुके हैं। वह 16 मार्च को संसद के उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए थे और इसके बाद 14 दिन की अवधि के भीतर उन्हें विधान परिषद का सदस्य पद छोड़ना था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शुक्रवार को शपथ लेने पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वह देश के सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं तथा सुशासन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की हर जगह सराहना हुई है। मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि कुमार का लंबा राजनीतिक अनुभव संसद की गरिमा को और बढ़ाएगा।

CMYK

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
शनिवार, 11 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और मील का पत्थर

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के संशोधित ड्राफ्ट को मंजूरी देना वास्तव में भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक साहसिक और ऐतिहासिक कदम है। इस निर्णय का उद्देश्य संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करना है, जिससे नीति-निर्माण में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित हो सके। नए प्रस्ताव के तहत लोकसभा की कुल सीटों को 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रावधान है, जिसमें से लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार ने जनगणना और परिसीमन की लंबी प्रक्रिया की प्रतीक्षा करने के बजाय, 2011 की जनगणना के आधार पर जल्द से जल्द इसे लागू करने पर विचार किया है, ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव तक इसका असर दिख सके। इस संशोधन को पारित कराने के लिए सरकार अप्रैल के मध्य में संसद का विशेष सत्र बुलाने की योजना बना रही है। आरक्षित सीटों के भीतर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए भी आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। यह कदम केवल सीटों का आरक्षण नहीं है, बल्कि यह निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्थाओं में आधी आबादी की आवाज को मुखर करने का प्रयास है। यह पितृसत्तात्मक ढांचे को तोड़कर राजनीति में महिला नेतृत्व को मुख्यधारा में लाएगा। दशकों से लंबित इस विधेयक को मंजूरी देकर सरकार ने राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। 2029 के चुनावों से पहले इसे लागू करने की योजना, 'नारी शक्ति' के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। सीटों का पुनर्निधारण (परिसीमन) एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें राजनीतिक सहमति बनाना बड़ी चुनौती होगी। विपक्ष द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए उप-कोटा की मांग पर बहस अभी भी जारी है, जो इस विधेयक के सर्वसम्मति से पारित होने में बाधा डाल सकती है। महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी भारतीय नारी के सशक्तिकरण का एक नया अध्याय है। यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह तब आ रहा है, जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि भारत इस समय पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे में तब और जरूरी हो जाता है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न केवल दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा बल्कि विकास की गति बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह किसी एक सरकार, दल या व्यक्ति का नहीं, पूरे राष्ट्र का विषय है। इसके लिए होना यह चाहिए कि सभी दल मिल-बैठकर इसके सभी पहलुओं पर विचार करके इसे आम सहमति से पारित करवाएं। यदि यह विधेयक अपने प्रस्तावित रूप में लागू होता है, तो यह भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी और न्यायसंगत बना देगा। अब सबकी नजरें आगामी विशेष सत्र पर हैं, जहां इस ऐतिहासिक कानून को अंतिम रूप दिया जाएगा।

हार-जीत नहीं है संघर्ष विराम

सामयिक

राज कुमार सिंह

खुद को विश्व शांति और स्थिरता का ठेकेदार समझने वालों को संघर्ष विराम की जरूरत समझने में 40 दिन लग गए। इस अवधि में दिखाई पड़े तबाही के मंजरों के मद्देनजर कोई भी समझदार व्यक्ति संघर्ष विराम का स्वागत ही करेगा, लेकिन फिर भी यह सवाल अनुत्तरित है कि आखिर इस युद्ध से हासिल क्या हुआ? 15 दिनों के लिए घोषित संघर्ष विराम के बीच अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधि पाकिस्तान में उन शर्तों पर बातचीत करेंगे, जिन पर सहमति के बाद इस युद्ध का अंत हो जाएगा। याद रहे कि 28 फरवरी को इजराइल और अमेरिका के ईरान पर अचानक हमलों के बाद छिड़ी जंग से पहले भी संबंधित पक्ष बातचीत ही कर रहे थे। 26 फरवरी को जेनेवा में हुई बातचीत में कई मुद्दों पर सहमति बन गई थी, लेकिन वार्ता के अगले दौर से पहले ही ईरान पर हमले शुरू हो गए। जाहिर है, ईरान की ओर से भी जवाबी हमले होने ही थे। परिणामस्वरूप न सिर्फ ये तीन देश, बल्कि खाड़ी के सभी देश जंग के बीच तबाही झेलते रहे, जिसकी मार ऊर्जा संकट और महंगाई के रूप में शेष विश्व को भी झेलनी पड़ी। समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि अगर संबंधित पक्षों ने पहले ही संघर्ष के बजाय संवाद के जरिये समाधान खोजा होता तो इस तबाही से बचा जा सकता था। युद्ध के बीच अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए भी ईरान और अमेरिका का अचानक संघर्ष विराम पर सहमत हो जाना बताता है कि जमीनी हकीकत क्या रही होगी।

ज्यादातर जानकार कह रहे हैं कि ईरान पर हमलों के मूल में इजराइल का युद्धोन्माद रहा, लेकिन युद्ध की अगुआई अमेरिका ही करता नजर आया। अपने दूसरे राष्ट्रपतिकाल के पहले ही साल में आठ संघर्ष विराम करवाने का दावा करते हुए शांति का नोबेल मांगने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप इन 40 दिनों में 'बर्बादी के बादशाह' ज्यादा नजर आए। सत्ता परिवर्तन के घोषित उद्देश्य के साथ किसी दूसरे देश पर हमले कम -से- कम लोकतांत्रिक सोच तो नहीं मानी जा सकती, लेकिन विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र माने जाने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐसा कर दिखाया। तर्क दिया जा सकता है कि जो व्यक्ति सेना भेज कर वेनेजुएला से उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सपत्नीक उठवा चुका हो, उसके लोकतांत्रिक होने की गलतफहमी नहीं पालनी चाहिए। तर्क निराधार नहीं है, पर सच यह भी है कि अगर वेनेजुएला प्रकरण में अन्य देशों ने अपनी वैश्विक जिम्मेदारी का अहसास करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया की होती तो शायद पश्चिम एशिया को 40 दिन की यह युद्ध विभीषिका नहीं झेलनी पड़ती, जिसकी तपिश दूरदराज के देशों ने भी महसूस की। दरअसल दूसरे राष्ट्रपतिकाल की शुरूआत से ही ट्रंप प्रवासियों और टैरिफ जैसे मुद्दों पर वैश्विक व्यवस्था को ही चुनौती देते नजर आ रहे हैं, आसन्न खतरों को शेष विश्व को समय रहते समझ कर अमेरिकी दादागिरी को नियंत्रित करने के लिए कूटनीतिक दबाव बनाना चाहिए था, लेकिन ज्यादातर देश अपने-अपने हितों से संचालित हो कर खेलते रहे।

चंद दिन में ईरान को तबाह कर विजेता बन कर निकलने के मंसूबे के साथ हमले करने वाले ट्रंप को संघर्ष विराम की जरूरत का अहसास कराने में भी अब विश्व समुदाय की बड़ी भूमिका रही है। लंबे खिंचते युद्ध से तबाही और उसकी तपिश महसूस कर

इस बार अमेरिका के उन परंपरागत मित्र देशों ने भी उसका साथ देने से इनकार कर दिया, जिन्हें ट्रंप अपने साथ ही मान कर चलते रहे। अमेरिका के साम्राज्यवादी और भोगवादी चरित्र के बावजूद वहां के नागरिकों ने भी सड़कों पर उतर कर ट्रंप के इस युद्धोन्माद का विरोध करने का साहस दिखाया। इसी साल होने वाले मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर विरोधी डेमोक्रेट्स को कारगर मुद्दा मिल गया तो रिपब्लिकन्स भी अपने राष्ट्रपति की हरकतों के राजनीतिक खतरे महसूस करने लगे। कहना नहीं होगा कि इन चौतरफा दबावों के बीच संघर्ष की राह तलाशते हुए भी ट्रंप अपने अहंकारी कारोबारी चरित्र से बाज नहीं आये। सप्ताहांत में युद्ध समाप्ति की भविष्यवाणी से बाजार में गिरावट तथा फिर सप्ताह के शुरू में युद्धोन्माद और भड़का कर ट्रंप द्वारा अपने करीबियों को शेयर बाजार से मुनाफा कमवाने के किस्से अमेरिकी मीडिया में आम हैं। कभी ट्रंप स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से अमेरिका को बेपरवाह बता कर अन्य देशों पर उसे खुलवाने के लिए दबाव बनाते दिखे तो कभी 48 घंटे में उसे न खोलने पर ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की धमकी देते। कभी चार दिन का अल्टीमेटम दे कर उसे 10 दिन तक बढ़ा दिया तो कभी फिर ईरानी सभ्यता की ही समाप्ति के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया।

जाहिर है, किसी जिम्मेदार लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति से ऐसा आचरण अपेक्षित नहीं है, लेकिन यही हमारे समय का सच है, जिससे मुंह नहीं चुराया जा सकता। अनेक बार हमले के लक्ष्य हासिल कर लेने और ईरान का सैन्य ही नहीं, शासकीय ढांचा भी नष्ट करने के दावे करनेवाले ट्रंप अगर अब 40 दिनों बाद 15 दिनों के संघर्ष विराम पर सहमत हो गये तो उसकी सफलता को ले कर आश्वस्त होना आसान नहीं है। ध्यान रहे कि पिछले साल भी ऐसा संघर्ष विराम हुआ था और इस साल भी संवाद के जरिये समाधान की कोशिशों के बीच ईरान पर हमला बोला गया। इस संघर्ष विराम की सफलता पर संदेह के अन्य दो बड़े कारण शर्तें और मध्यस्थता करानेवाला देश है। ईरान ने संघर्ष विराम को युद्ध की समाप्ति में बदलने के लिए जो 10 शर्तें रखी हैं, उन्हें मान लेने का अर्थ तो अमेरिका द्वारा हार स्वीकार कर लेने जैसा ही होगा। आदत के मुताबिक ट्रंप ने अपनी जीत का दावा करते हुए भी ईरान की शर्तों का खंडन नहीं किया है। हां, इजरायल अवश्य लेबनान में संघर्ष विराम लागू करने से इनकार कर रहा है, जबकि मध्यस्थता कर रहा पाकिस्तान कह रहा है कि संघर्ष विराम के दायरे में लेबनान भी है। बेशक कर्ज के जाल में फंसा खस्ता अर्थव्यवस्था वाला पाकिस्तान अरसे से मध्य पूर्व की इस आपदा में अपने लिए अवसर तलाश रहा था, लेकिन मध्यस्था के लिए सबसे जरूरी चीज होती है मध्यस्थ की अपनी विश्वसनीयता, जो पाकिस्तान के पास दूर-दूर तक नहीं बची। तब क्या ईरानी सभ्यता की समाप्ति के अल्टीमेटम की समाप्ति से मात्र डेढ़ घंटे पहले हुए इस संघर्ष विराम में पाकिस्तान सिर्फ मुखौटा है और असली भूमिका चीन ने निभाई है? ध्यान रहे कि ट्रंप को जल्द ही चीन की यात्रा पर जाना है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)

नदी जोड़ो प्रस्ताव

कब तक पूरी होगी नदियों को परस्पर जोड़ने की योजना

एसएन वर्मा

भारत में प्रतिवर्ष लगभग 4,000 घनकिलोमीटर वर्षा होती है, यानी प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष लगभग 10 लाख गैलन ताजे पानी की उपलब्धता होती है। देश में सूखे और बाढ़ के चक्र चलते रहते हैं, पश्चिम और दक्षिण के बड़े हिस्से में पानी की अधिक कमी और बड़े उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप विशेष रूप से सबसे गरीब किसानों और ग्रामीण आबादी को भारी कठिनाई होती है। क्षेत्रीय स्तर पर सिंचाई के पानी की कमी से फसलें खराब हो जाती हैं और किसान आत्महत्या कर लेते हैं। जुलाई-सितंबर के दौरान प्रचुर वर्षा के बावजूद, अन्य मौसमों में कुछ क्षेत्रों में पीने के पानी की कमी देखी जाती है। इस अधिकता-कमी, क्षेत्रीय असमानता और बाढ़-सूखा चक्रों ने जल संसाधन प्रबंधन की आवश्यकता को जन्म दिया। नदियों को आपस में जोड़ना इस आवश्यकता को पूरा करने के उपाए बताए गए।

भारत में नदियों को आपस में जोड़ने के प्रस्ताव का एक लंबा इतिहास है। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान, 19वीं सदी के इंजीनियर आर्थर कॉटन दक्षिण-पूर्वी भारत (अब आंध्रप्रदेश और ओडिशा) में पानी की कमी और सूखे की समस्या से निपटने के लिए प्रमुख भारतीय नदियों को आपस में जोड़ने की योजना प्रस्तावित की थी। स्वतंत्रता के बाद 1970 में, बांध डिज़ाइनर और पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. के.एल. राव ने राष्ट्रीय जल ग्रिड का प्रस्ताव रखा। वे दक्षिण में पानी की गंभीर कमी और उत्तर में हर साल आने वाली बाढ़ से चिंतित थे। 1980 के बाद नदी जोड़ने की परियोजनाओं को लेकर कई रिपोर्टें प्रकाशित की गई। हालांकि, परियोजनाओं को आगे नहीं बढ़ाया गया। नदी अंतर्संबंध का विचार 1999 में पुनर्जीवित हुआ, जब राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन ने भारत सरकार का गठन किया। जिस पर आज तक कार्य चल रहा है।

बीच में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सत्ता में आई तो उसने परियोजना की अवधारणा और योजनाओं के प्रति अपने विरोध को फिर से जीवित कर दिया। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अभियान चलाया कि यह परियोजना लागत, संभावित पर्यावरणीय और पारिस्थितिक क्षति, जल स्तर और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ से जुड़े खतरों के संदर्भ में विनाशकारी हो सकती है। भारत की केंद्र सरकार ने 2005 से 2013 तक कई समितियों का गठन किया, कई रिपोर्टों को खारिज कर दिया। फरवरी 2012 में, वर्ष 2002 में दायर एक जनहित याचिका का निपटारा करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने नदियों को जोड़ने की परियोजना के कार्यान्वयन के लिए कोई निर्देश देने से इनकार कर दिया और कहा कि इसमें नीतिगत निर्णय शामिल हैं जो राज्य और केंद्र सरकारों की विधायी क्षमता का हिस्सा हैं। केंद्र और राज्यों के बीच लागत साझाकरण व्यवस्था एक समान नहीं है और प्रत्येक परियोजना के लिए अलग-अलग निर्धारित की जाती है। फिलहाल,राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (एनपीपी) के अंतर्गत चिन्हित नदियों को आपस में जोड़ने वाली (आईएलआर) 30 परियोजनाओं में से 26 लिंक की व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर) और 13 लिंक की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूर्ण कर ली गई हैं। लेकिन एनपीपी के अंतर्गत कोई भी नदियों को आपस में जोड़ने वाली परियोजना जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र से संबंधित नहीं है। देश में पिछले पांच वर्षों में स्वीकृत की गई नदियों को आपस में जोड़ने वाली परियोजनाओं में गोदावरी-कृष्णा नदी लिंक, कृष्णा (अलमट्टी)-पेन्नार लिंक, बेदती-वरदा लिंक, नेत्रावती-हेमावती लिंक और केन-बेतवा लिंक शामिल हैं।केन-बेतवा लिंक परियोजना एकमात्र प्राथमिकता वाली परियोजना है जो कार्यान्वयन चरण में प्रवेश कर चुकी है।

हमारे देश में दो प्रकार की नदियां है हिमालयी और प्रायद्वीपीय। हिमालयी नदियों के विकास में भारत और नेपाल में मुख्य गंगा और ब्रह्मपुत्र तथा उनकी प्रमुख सहायक नदियों पर भंडारण जलाशयों के निर्माण के साथ-साथ गंगा की पूर्वी सहायक नदियों के अतिरिक्त जल प्रवाह को पश्चिम की ओर स्थानांतरित करने के लिए अंतर्संबंधी नहर प्रणाली का निर्माण और मुख्य ब्रह्मपुत्र को गंगा से जोड़ने की परिकल्पना की गई है।यह योजना न केवल गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन के राज्यों को, बल्कि नेपाल और बांग्लादेश को भी लाभ पहुंचाएगी, बशर्ते नदी प्रवाह प्रबंधन संधियों पर सफलतापूर्वक बातचीत हो जाए। हिमालयी घटक में जिन नदियों को जोड़ा जाना हैं वे हैं-घाघरा-यमुना लिंक (व्यवहार्यता अध्ययन पूरा) सरदा-यमुना संपर्क मार्ग (व्यवहार्यता अध्ययन पूर्ण), यमुना-राजस्थान संपर्क, राजस्थान-साबरमती लिंक, कोसी-घाघरा लिंक, कोसी-मेची लिंक,मानस-संकोश-तिस्ता-गंगा लिंक,जोगीघोपा-तिस्ता-फरक्का लिंक,गंगा-दामोदर-सुवर्णरेखा लिंक,सुबर्णरेखा-महानदी लिंक,फरक्का-सुंदरबन लिंक,गंडक-गंगा लिंक,चुनार-सोने बैराज लिंक। सोन बांध गंगा की दक्षिणी सहायक नदियों को जोड़ता है-प्रायद्वीपीय घटक में जिन नदियों को जोड़ा जाना हैं वे हैं-महानदी (मणिभद्र)-गोदावरी (दौलीस्वरम) लिंक, (इंचमपल्ली) - कृष्णा (पुलीचिंतला) लिंक, गोदावरी (इंचमपल्ली) - कृष्णा (नागार्जुनसागर), लिंगोदावरी (पोलावरम) - कृष्णा (विजयवाड़ा) लिंक,कृष्णा (अलमाटी) - पेन्नार लिंक,कृष्णा (श्रीशैलम) - पेन्नार लिंक, कृष्णा (नागार्जुनसागर) - पेन्नार (सोमासिला) लिंक,पेन्नार (सोमासिला) - कावेरी (ग्रैंड एनीकट) लिंक, केन-बेतवा लिंक ,पारबती-कालीसिंध-चंबल लिंक ,पार्वती-कुनो-सिंध लिंक पार्वती,पार-तापी-नर्मदा लिंक,दमंगंगा-पिंजल लिंक, बेदती-वर्दा लिंक,नेत्रावती-हेमवती लिंक, पम्बा-अचानकोविल - वैप्पार लिंक।

कुल मिला कर हम यह कह सकते हैं कि भारत में नदियों को जोड़ने की योजना के तहत केन-बेतवा लिंक परियोजना कार्यान्वयन के चरण में है, जो राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना की पहली प्राथमिकता वाली परियोजना है। इसके अलावा, 30 में से 13 परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पूरी हो चुकी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तंभकार हैं)

डिजिटल युग

डिजिटल दुनिया अकेले घर, दीवारों के बीच सिमटता संवाद

प्रवीण कक्कड़

आज के दौर में जब हम 'ग्लोबल विलेज' और 'हाई-स्पीड कनेक्टिविटी' की बात करते हैं, तो एक विरोधाभासी सत्य हमारे सामने खड़ा होता है। तकनीक ने सात समंदर पार बैठे व्यक्ति को तो एक क्लिक की दूरी पर ला लिया, लेकिन बगल के कमरे में बैठे अपने को कोसों दूर कर दिया है। हम एक ऐसे 'डिजिटल टापू' पर रहने लगे हैं, जहां शोर तो बहुत है, पर सुकून भरा संवाद गायब है। हम दुनिया से तो 'जुड़े' हैं, पर अपनों से 'कटे' हुए हैं। बीते तीन दशकों में भारत के सामाजिक ढांचे में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह हमारे 'बचपन' के भूगोल में है। याद कीजिए 90 के दशक की वे गर्मियां, जब पारा चढ़ते ही नानी के घर जाने की तैयारियां शुरू हो जाती थीं। वह समय केवल छुट्टियों का नहीं, बल्कि रिश्तों के नवीनीकरण का उत्सव होता था। दोपहर में दादी की कहानियों का तिलिस्म और रात को छत पर बिछी चारपाइयों की कतार, यह केवल सोने का इंतजाम नहीं था, बल्कि एक सामूहिक संस्कार था। छत पर लेटकर तारों को निहारना, बिना घड़ी के समय का बहना, ये सब हमें सहजता, धैर्य और अपनापन सिखाते थे। वहां संवाद सहज था, संबंध स्वाभाविक थे और 'अकेलापन' जैसा शब्द हमारी डिक्शनरी में था ही नहीं। आज वही बचपन छतों से उतरकर स्क्रीन की दीवारों में कैद हो गया है। मोबाइल और टैबलेट ने बच्चों के हाथों में दुनिया तो दे दी है, पर उनसे उनकी अपनी जमीन छीन ली है। 'डिजिटल लोनलीनेस' अब केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक सामाजिक सच्चाई है—जहां हजारों ऑनलाइन कनेक्शन होने के बावजूद व्यक्ति भीतर से रिक्त है।

संवाद केवल शब्दों का लेन-देन नहीं, बल्कि भावनाओं का वह

अदृश्य सेतु है जिस पर रिश्तों का भरोसा चलता है। जब घरों में संवाद कम होता है, तो दीवारें ऊंची होने लगती हैं, भले ही वे ईंट की न हों, पर भावनात्मक दूरी उतनी ही कठोर हो जाती है। आज की विडंबना यह है कि एक ही सोफे पर बैठे चार लोग चार अलग-अलग वर्चुअल दुनिया में खोए रहते हैं। यह 'साथ होकर भी साथ न होने' की स्थिति रिश्तों को धीरे-धीरे खोखला कर रही है। न्यूक्लियर परिवारों (एकल परिवार) के बढ़ते चलन ने इस संकट को और गहरा किया है। पहले संयुक्त परिवारों में 'इमोशनल कुशनिंग' होती थी, एक रिश्ता टूटता तो दूसरा संभाल लेता था। आज एकल परिवारों में संवाद का दायरा सीमित हो गया है। माता-पिता काम में व्यस्त हैं और बच्चे गैजेट्स के साये में बड़े हो रहे हैं। ऐसे में जब संवाद की जगह केवल 'निर्देश' ले लेते हैं, तो रिश्तों की गर्माहट कम होने लगती है। दुनिया भर में हुए शोध यह संकेत दे रहे हैं कि डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से युवाओं में अकेलेपन, तनाव और अवसाद के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। भारत में भी किशोरों में बढ़ती चिड़चिड़ाहट और भावनात्मक असंतुलन का एक बड़ा कारण पारिवारिक संवाद की कमी माना जा रहा है। खेल के मैदान अब पहले जैसे गुलजार नहीं हैं, जबकि वर्चुअल गेम्स के सर्वर हमेशा व्यस्त रहते हैं। यह बदलाव केवल जीवनशैली का नहीं, बल्कि मानसिक संरचना का भी है। हमें यह समझना होगा कि तकनीक जानकारी दे सकती है, लेकिन समझ, संवेदना और जीवन जीने की कला केवल संवाद से आती है। समस्या जितनी गहरी है, समाधान उतना ही सरल और मानवीय है—संवाद को फिर से जीवन का केंद्र बनाना।

(लेखक पूर्व पुलिस अधिकारी हैं)

होम्योपैथी दिवस आज

स्वास्थ्य का औपनिषदिक रहस्य और महर्षि हैनिमैन का समग्र दर्शन

सलिल दाते

वैश्विक स्तर पर बढ़ती जीवनशैली जनित बीमारियों, मानसिक तनाव और दीर्घकालिक रोगों के इस दौर में स्वास्थ्य की पारंपरिक परिभाषाएं पुनः प्रश्नों के घेरे में हैं। ऐसे समय में 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला होम्योपैथी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की मूल अवधारणा को समझने और उसे पुनर्परिभाषित करने का अवसर बनकर सामने आता है। होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती पर यह विचार करना अत्यंत प्रासंगिक है कि क्या स्वास्थ्य केवल रोगों के अभाव का नाम है, या वह चेतना, मन और शरीर के संतुलन की एक गहन अवस्था है। विशेषज्ञों के अनुसार आधुनिक चिकित्सा पद्धति में स्वास्थ्य को प्रायः लक्षणों की अनुपस्थिति के रूप में देखा जाता है, जबकि भारतीय दर्शन, विशेषतः उपनिषद और आयुर्वेद, इसे एक समग्र संतुलन के रूप में परिभाषित करते हैं। आयुर्वेद का सिद्धांत 'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं, आतुरस्य विकार प्रशमनम' स्पष्ट करता है कि स्वास्थ्य केवल उपचार का विषय नहीं, बल्कि संतुलन के संरक्षण की सतत प्रक्रिया है।

भगवद गीता में कहा गया 'समत्वं योग उच्यते' भी इसी सत्य की पुष्टि करता है कि जहां मन, बुद्धि और इंद्रियां संतुलित हों, वहीं वास्तविक स्वास्थ्य विद्यमान होता है। उपनिषदों के अनुसार रोग शरीर की मात्र विकृति नहीं, बल्कि प्राण, मन और चेतना के मध्य उत्पन्न असंतुलन का परिणाम है। इसी विचारधारा को आधुनिक चिकित्सा में वैज्ञानिक रूप देने का कार्य महर्षि हैनिमैन ने किया। उनकी प्रसिद्ध कृति आर्गन ऑफ मेडिसन में रोग को 'जीवनी शक्ति के विक्षोभ' के रूप में वर्णित किया गया है। उनके

अनुसार स्वास्थ्य वह स्थिति है, जिसमें यह जीवनी शक्ति संतुलित एवं सामंजस्यपूर्ण रूप से कार्य करती है। यह अवधारणा उपनिषदों में वर्णित 'प्राण' सिद्धांत के अत्यंत समीप है, जहां 'प्राणो हि भूतानामायुः' के माध्यम से जीवन की मूल शक्ति को प्राण कहा गया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि होम्योपैथी और उपनिषद दोनों ही रोग को शत्रु नहीं, बल्कि संकेत के रूप में देखते हैं। शरीर में उत्पन्न लक्षण जैसे ज्वर, खांसी, त्वचा विकार या अन्य असामान्यताएं दरअसल शरीर की आंतरिक असंतुलन की भाषा हैं। इन्हें दबाने के बजाय समझना और उनके मूल कारण तक पहुंचना ही वास्तविक चिकित्सा है। हैनिमैन का यह सिद्धांत कि 'रोग कोई भौतिक वस्तु नहीं, बल्कि एक सूक्ष्म अव्यवस्था है ', आज के चिकित्सा विमर्श में अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है। वर्तमान समय में त्वरित राहत को ही चिकित्सा की सफलता मान लिया गया है, किन्तु इससे रोगों का स्थायी समाधान नहीं हो पाता। होम्योपैथी इसके विपरीत 'सौम्य, शीघ्र और स्थायी उपचार' पर बल देती है। इस पद्धति में शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को सक्रिय करने पर जोर दिया जाता है, न कि उसे बाहरी हस्तक्षेप से नियंत्रित करने पर। विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि कई स्थितियों में अनावश्यक औषधि देने के बजाय शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया को सहयोग देना अधिक प्रभावी सिद्ध होता है। आज के समय में बढ़ती जीर्ण बीमारियां, मानसिक असंतुलन और बार-बार उभरने वाले रोग इस बात के संकेत हैं कि स्वास्थ्य के मूल सिद्धांतों की उपेक्षा हो रही है। उपनिषद इसे प्रकृति से विच्छेद मानते हैं, जबकि होम्योपैथी इसे गहन स्तर पर रोग के स्थानांतरण का परिणाम मानती है। **(लेखक स्तंभकार हैं)**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक "गिलेडविन मसीह" के लिए "बुलंद मंज़िल" हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

CMYK

मतदाता सूची का फाइनल ड्राफ्ट जारी : अब खुद जांचिए—आपका नाम लोकतंत्र की सूची में है या नहीं

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में लोकतंत्र के सबसे अहम दस्तावेज–मतदाता सूची–का अंतिम प्रकाशन शुक्रवार को कर दिया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण -2026 कार्यक्रम के तहत चारों विधानसभा क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियां अब अंतिम रूप में सामने आ चुकी हैं। इसके साथ ही प्रशासन ने आम नागरिकों को एक अहम मौका दिया है–अपने नाम की पुष्टि करने का। अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर तैयार की गई इन सूचियों में 39-धनौरा (अजा), 40-नौगावां सादात, 41-अमरोहा और 42-हसनपुर विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में आयोजित बैठक में इन नामावलियों की हार्ड और सॉफ्ट कॉपी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सौंप दी गई। बैठक में भाजपा, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बसपा और आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर

सूचियों की प्रतियां प्राप्त कीं। यह प्रक्रिया पारदर्शिता और राजनीतिक सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अंतिम रूप से प्रकाशित ये निर्वाचक नामावलियां आगामी एक सप्ताह तक जनसामान्य के निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगी। कोई भी नागरिक अपने नजदीकी मतदान केंद्र, तहसील कार्यालय या पदाभिहित स्थल पर जाकर अपने या अपने परिजनों का नाम सूची में देख सकता है। इसके अलावा, ऑनलाइन माध्यम से भी यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे लोग घर बैठे भी अपनी स्थिति जांच सकते हैं। इस बार के पुनरीक्षण अभियान की खास बात यह रही कि पूरी प्रक्रिया को तकनीकी और जनसहभागिता के साथ जोड़ा गया। एनजीएसपी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त 725 शिकायतों और अन्य माध्यमों से आई 5 शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन ने मतदाताओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए समाधान पर विशेष ध्यान दिया। इसके साथ ही ह्लबुक-ए-कॉल विद बीएलओह्व जैसी पहल ने भी मतदाताओं को सीधे बूथ लेवल अधिकारियों से जोड़ने का काम किया। इस सुविधा का लाभ उठाते हुए 4968 मतदाताओं ने बीएलओ से संपर्क किया और अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया। प्रशासन का दावा है कि वर्तमान में कोई भी कॉल 48 घंटे से अधिक लंबित नहीं है, जो व्यवस्था की सक्रियता को दशार्ता है। पूरे पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न तिथियों पर राजनीतिक दलों के साथ लगातार बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें आयोग के निदेर्शों से अवगत कराया गया। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वास दोनों को मजबूती मिली। अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया जिला स्तर से लेकर बूथ स्तर तक एक साथ संचालित की गई। जहां जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद स्तर पर प्रकाशन किया, वहीं तहसील स्तर पर उप जिलाधिकारियों ने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई। बूथ स्तर पर बीएलओ और अन्य अधिकारियों ने मतदेय स्थलों पर सूचियों को सार्वजनिक किया। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे इस एक सप्ताह की अवधि का लाभ उठाकर अपनी मतदाता स्थिति अवश्य जांच लें। यदि किसी का नाम सूची में छूट गया है या किसी प्रकार की त्रुटि है, तो समय रहते आवश्यक कार्रवाई कराई जा सकती है। यह अंतिम प्रकाशन न केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया है, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। सही और अद्यतन मतदाता सूची ही निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला होती है। ऐसे में हर नागरिक की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपने मताधिकार को सुनिश्चित करने के लिए इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाए। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि भविष्य में भी इसी तरह पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से चुनावी प्रक्रियाओं को संपन्न कराया जाएगा।

मैसेज को लेकर कहासुनी के बाद साली-बहनोई ने महिला को पीटा, मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। कोतवाली अमरोहा नगर क्षेत्र के मोहल्ला मेहम्मदी सराय निवासी एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना को लेकर पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला मेहम्मदी सराय निवासी दानिश पुत्र मुस्तकीम अहमद ने कोतवाली अमरोहा नगर में तहरीर देकर बताया कि गुरुवार की शाम करीब 7:30 बजे उनकी पत्नी निगहत अपने पिता के घर मोहल्ला घेर पच्छिया गई हुई थी। इसी दौरान वहां उनकी साली नूरी फात्मी और बहनोई जुबैर अहमद भी पहुंच गए। बताया गया कि किसी मोबाइल मैसेज को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर नूरी फात्मी और जुबैर अहमद ने मिलकर निगहत के साथ मारपीट शुरू कर दी और गाली-गलौच करने लगे। इस दौरान महिला के सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे खून बहने लगा। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने किसी

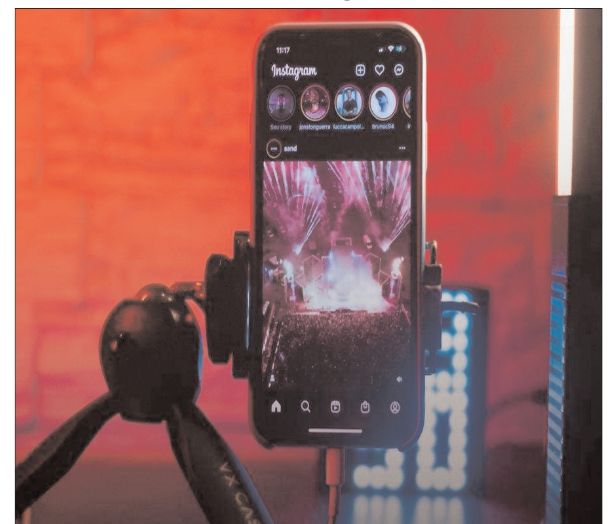

तरह बीच-बचाव कर महिला को आरोपियों से बचाया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि मारपीट के बाद आरोपियों ने धमकी भी दी कि यदि भविष्य में उनसे उलझने की कोशिश की गई तो जान से मार देंगे। घटना से परिवार में दहशत का माहौल बना हुआ है। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार कराया गया। घटना के बाद दानिश अपनी पत्नी को लेकर कोतवाली पहुंचे और पूरे मामले की लिखित शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और लोग आपसी विवादों को लेकर चिंता जता रहे हैं।

हक की आवाज बुलंद : शिक्षकों ने डीआईओएस दफ्तर पर डाला डेरा

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा ब्यूरो। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ चेतनारायण गुट अमरोहा के बैनर तले शुक्रवार को शिक्षकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रांतीय आह्वान पर आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों ने प्रादेशिक एवं जनपद स्तर की लंबित मांगों को प्रमुखता से रखा। दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए धरने में बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए और उन्होंने अपनी मांगों के

समर्थन में नारेबाजी भी की। धरना-प्रदर्शन के दौरान मण्डलीय मंत्री अरुण शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह यादव, जिला अध्यक्ष कैप्टन गुर्मेज सिंह, जिला मंत्री डॉ. संजीव कुमार चौहान सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा जिला संरक्षक सरदार सामेन्द्र सिंह, सरदार खजान सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार, गंगा राम सिंह चौहान, मनीष कुमार त्यागी, सचिन कुमार गुप्ता, पंकज भारद्वाज, योगेन्द्र सिंह यादव, योगेन्द्र सिंह, योगेन्द्र कुमार, विजय सिंह, संजय ठाकुर, अरविन्द कुमार, अमित कुमार, राजबहादुर सिंह, योगेश कुमार, वीरेन्द्र सिंह, बिजेंद्र सिंह, राघवेन्द्र सिंह और नवीन कुमार समेत बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। धरने के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक पवन कुमार त्यागी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शिक्षकों से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई। अधिकारियों ने भी शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में जिला मंत्री डॉ. संजीव कुमार चौहान ने प्रभारी डीआईओएस पवन कुमार त्यागी, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या स्नेहलता, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के जिला समन्वयक मदन पाल सिंह, वरिष्ठ लिपिक असलम बाबू सहित उपस्थित सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त

अनुशासन की परेड, तैयारियों की पड़ताल—एसपी का सख्त निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। पुलिस लाइन में शुक्रवार को आयोजित साप्ताहिक परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने न केवल परेड की सलामी ली, बल्कि पुलिस व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा करते हुए अनुशासन और कार्यकुशलता पर विशेष जोर दिया। मंडी समिति स्थित पुलिस लाइन में आयोजित इस परेड में पुलिसकर्मियों की टर्नआउट, उनकी सज्जा और एकरूपता का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने परेड की टोलीवार ड्रिल कराकर जवानों में अनुशासन और तालमेल को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परेड केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पुलिस बल की कार्यशैली और तत्परता का आईना होती है। इसके बाद

पुलिस अधीक्षक ने यूपी-112 पीआरवी वाहनों का निरीक्षण किया। उन्होंने वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण उपकरण, फर्स्ट एड किट तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि सभी उपकरणों की नियमित साफ-सफाई और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि आपात स्थिति में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों से उपकरणों के संचालन संबंधी जानकारी भी ली गई। एसपी ने पुलिसकर्मियों को शस्त्रों के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग के लिए शस्त्र हैंडलिंग का अभ्यास भी कराया। साथ ही फील्ड यूनिट टीम का निरीक्षण करते हुए घटनास्थल की जांच प्रक्रिया को और वैज्ञानिक एवं साक्ष्य आधारित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अपराध जांच में आधुनिक तकनीकों के अधिकतम उपयोग पर बल दिया। इसके अतिरिक्त पुलिस लाइन स्थित आमोर्री और मैस का भी गहन निरीक्षण किया गया। साफ-सफाई, रखरखाव और व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नौगांवा सादात सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने और जनसेवा को प्राथमिकता देने की सीख दी।

मासूम की गुहार : डीएम मैम, किताबें सस्ती करवा दो—गुहार का वीडियो वायरल

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र के गांव देहरी गुजर से एक मासूम बच्ची की भावुक अपील ने पूरे जिले का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। कक्षा एक में पढ़ने वाली नन्ही छात्रा माही का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह हाथ जोड़कर अमरोहा जिलाधिकारी निधि गुप्ता से प्राइवेट स्कूलों की महंगी किताबों के दाम कम करवाने की गुहार लगाती नजर आ रही है। वीडियो में माही मासूमियत भरे अंदाज में कहती है,

ह्लहर किसी के मां-बाप अमीर नहीं होते, डीएम साहबङ्घ मेरी आपसे हाथ जोड़कर विनती है कि किताबें सस्ती करवा दीजिए।ह्व इतना ही नहीं, बच्ची ने वीडियो में अपनी किताबों का बिल भी दिखाया, जिसमें करीब 1900 रुपये तक की कीमत सामने आ रही है। छोटी सी उम्र में इतनी बड़ी बात कहने वाली माही की यह अपील लोगों के दिलों को छू रही है। वीडियो वायरल होते ही अभिभावकों और आम लोगों के बीच निजी स्कूलों की मनमानी फीस और महंगी किताबों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर बच्ची के साहस की सराहना करते हुए प्रशासन से इस मामले में ठोस कदम उठाने की मांग की है। स्थानीय अभिभावकों का कहना है कि निजी स्कूल हर साल किताबें और कॉपियां बदल देते हैं, जिससे उन्हें मजबूरन नई और महंगी किताबें खरीदनी पड़ती हैं। इससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस वायरल वीडियो पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन माही की मासूम आवाज ने एक बड़े मुद्दे को सबके सामने ला दिया है। अब देखना यह होगा।

लापरवाही से टक्कर, फिर मारपीट का आरोप—कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। थाना क्षेत्र में सड़क हादसे और उसके बाद हुई कथित मारपीट व पुलिस की निष्क्रियता का मामला अब न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद तूल पकड़ता नजर आ रहा है। न्यायालय के आदेश पर थाना सैदनगली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सकतपुर करनपुर थाना सैदनगली निवासी सुरेश कुमार उर्फ कृष्ण कुमार ने न्यायालय तृतीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अमरोहा के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि दिनांक 26 नवंबर 2025 को वह अमरोहा से अपने घर लौट रहे थे। दोपहर करीब 1:30 बजे जब वह गांव देहरा से आगे मध्य गंगा नहर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। आरोप है कि उक्त मोटरसाइकिल सवार आशु नामक नाबालिग था, जो कथित रूप से तेज गति और लापरवाही से गलत दिशा में वाहन चला रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुरेश कुमार की मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और उन्हें गंभीर चोटें आईं। पीड़ित के अनुसार हादसे के बाद आरोपी आशु ने अपने मामा राजेश सैनी को फोन कर बुलाया, जिसके बाद मौके पर दो अज्ञात व्यक्ति पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने सुरेश कुमार के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और किसी भी प्रकार की कानूनी

कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कथित रूप से केवल वीडियो बनाकर उन्हें थाना सैदनगली जाने की सलाह दी। पीड़ित का आरोप है कि जब वह थाने पहुंचे तो वहां भी उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उल्टा उन्हें शाम तक थाने में बैठाकर रखा गया और आरोपी पक्ष के दबाव में समझौता करने का दबाव बनाया गया। इतना ही नहीं, प्रार्थी ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी आशु के इलाज के लिए एक्स-रे आदि का खर्च भी उनसे ही दिलवाया गया। बाद में जबरन समझौता लिखवाकर उन्हें छोड़ दिया गया। न्याय न मिलने पर सुरेश कुमार ने 15 दिसंबर 2025 को पुलिस अधीक्षक अमरोहा को भी प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन वहां से भी कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। अंततः उन्होंने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सैदनगली पुलिस को मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है और मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं क्षेत्र में इस मामले को लेकर चर्चा का माहौल है और लोग निष्पक्ष जांच की उम्मीद जता रहे हैं।

आठ साल बाद मिली जीत : कोर्ट के आदेश पर दुकान का कब्जा दिलाया गया

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। नगर में आठ वर्षों तक चले लंबे कानूनी संघर्ष के बाद एक परिवार को आखिरकार न्याय मिल गया। शुक्रवार को न्यायालय के आदेश पर कोर्ट अमीन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में विवादित दुकान को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर वादी पक्ष को सौंप दिया। मामला मोहल्ला लालबाग संभलियान मस्जिद निवासी मोहम्मद शाहिद (वादी) और तनसीर अहमद

(प्रतिवादी) के बीच वर्ष 2018 से चल रहा था। विवाद की जड़ किराया न चुकाना और दुकान खाली न करना था। लंबे समय तक चली सुनवाई के बाद न्यायालय ने 30 अक्टूबर 2023 को वादी के पक्ष में डिक्री पारित कर दी थी। वादी पक्ष के अधिवक्ता ने बताया कि न्यायालय के आदेश के बावजूद प्रतिवादी ने न तो दुकान खाली की और न ही बकाया धनराशि का भुगतान किया। इस दौरान वादी मोहम्मद शाहिद का निधन हो गया, जिसके बाद उनके पुत्रों ने मामले की पैरवी जारी रखी। न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि एक माह के भीतर कब्जा नहीं सौंपे जाने पर बलपूर्वक कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में शुक्रवार को कोर्ट अमीन, कोतवाल राजेश कुमार तिवारी और वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने दुकान में रखा सामान हटवाकर उसे खाली कराया। इसके बाद मृतक वादी के पुत्र मोहम्मद हारिस को दुकान की चाबी सौंप दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय के आदेश का पूर्ण अनुपालन कराया गया है और अब दुकान वैध स्वामी को सौंप दी गई है।

फर्जी हस्ताक्षरों से भूमि को अकृषक घोषित कराने का आरोप, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। क्षेत्र में ट्रस्ट की भूमि को लेकर फर्जीवाड़े का एक गंभीर मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सोशल वेलफेयर एवं एजुकेशनल ट्रस्ट से जुड़ा हुआ है, जिसमें ट्रस्ट की भूमि को कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के जरिए अकृषक घोषित कराने का आरोप लगाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देहरादून निवासी डॉ. राजकिशोर त्रिपाठी ने तृतीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अमरोहा की अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर आरोप लगाया कि वह सोशल वेलफेयर एवं एजुकेशनल ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष हैं। ट्रस्ट का पंजीकृत कार्यालय ग्राम राजपुर, पोस्ट हसनपुर, जनपद अमरोहा में स्थित है। ट्रस्ट के सचिव राजीव

कुमार और कोषाध्यक्ष चंचल, जो कि वर्तमान में ग्राम राजपुर में निवास कर रहे हैं, पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। प्रार्थी के अनुसार, ट्रस्ट की एक भूमि ग्राम राजपुर, तहसील हसनपुर, थाना सैदनगली क्षेत्र में स्थित है, जिस पर ह्यदन ग्लोबल एकेडमीह नाम से विद्यालय संचालित किया जा रहा है। यह भूमि राजस्व अभिलेखों में कृषक भूमि के रूप में दर्ज थी। आरोप है कि ट्रस्ट के सचिव और कोषाध्यक्ष ने मिलकर उपजिलाधिकारी हसनपुर के समक्ष प्रार्थी के नाम से एक फर्जी आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें धारा 81 (1) उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 के अंतर्गत भूमि को अकृषक घोषित कराने का प्रयास किया गया। सबसे गंभीर आरोप यह है कि उक्त आवेदन पर प्रार्थी के फर्जी हस्ताक्षर बनाए गए। प्रार्थी का कहना है कि जब उन्हें इस पूरे प्रकरण की जानकारी हुई तो वह स्तब्ध रह गए। उन्होंने जब इस बारे में आरोपियों से पूछताछ की, तो आरोप है कि उन्होंने न केवल फर्जीवाड़े की बात स्वीकार की बल्कि धमकी भी दी कि यदि शिकायत की तो जान से मरवा देंगे। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत पहले थाना सैदनगली में की, लेकिन वहां कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक अमरोहा को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन वहां से भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। अंततः न्याय पाने के लिए प्रार्थी ने अदालत की शरण ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए तृतीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने धारा 173 (4) बीएनएसएस 2023 के अंतर्गत थाना सैदनगली पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने के आदेश दिए। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने राजीव कुमार और चंचल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। दस्तावेजों की सत्यता की जांच के साथ-साथ हस्ताक्षरों की फॉरेंसिक जांच भी कराई जा सकती है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला न केवल ट्रस्ट की संपत्ति से जुड़े विवाद को उजागर करता है, बल्कि दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा और धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों की ओर भी इशारा करता है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है।

गाली का विरोध पड़ा महंगा, लाठी-डंडों से किया हमला, रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

नौगांवा सादात ब्यूरो। थाना क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर पट्टी निवासी एक दुकानदार के साथ सुबह दुकान खोलते समय मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी रामभरोसे सिंह पुत्र स्वर्गीय दौलत सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार को सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच वह अपनी दुकान, जो कताई मिल पर स्थित है, खोल रहे थे। इसी दौरान गांव याहियापुर की मढ़ैया निवासी धर्मपाल पुत्र मलखान तथा प्रमोद व मनोज पुत्रगण धर्मपाल वहां पहुंचे और उनके साथ गाली-गलौच करने लगे। जब रामभरोसे सिंह ने इसका विरोध किया और गाली देने से मना किया, तो आरोपियों ने

लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से वह घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े। इसी दौरान पड़ोस के डॉक्टर परम सिंह के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। जाते समय उन्होंने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। बताया गया कि डॉक्टर परम सिंह ने तुरंत पीड़ित के परिजनों को फोन कर मौके पर बुलाया, जिसके बाद घायल को सहायता उपलब्ध कराई गई। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना नौगांवा सादात पुलिस ने धर्मपाल, प्रमोद और मनोज के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल चलो अभियान घर-घर पहुंचा : हसनपुर में नामांकन बढ़ाने को शिक्षकों का सघन जनसंपर्क

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। तहसील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में शुक्रवार को 'स्कूल चलो अभियान' के तहत नवीन नामांकन को बढ़ावा देने के लिए एक सघन जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान शिक्षकों और विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों ने गांव में घर-घर जाकर अभिभावकों से संवाद किया और बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया।अभियान के अंतर्गत, टीम ने विशेष रूप से 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को चिन्हित किया, जिनका अभी तक किसी भी विद्यालय में नामांकन नहीं हुआ है। अभिभावकों को शिक्षा के महत्व और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य में इसकी भूमिका के

बारे में बताया गया। अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, मिड-डे मील और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा शामिल हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक और प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि अप्रैल माह में 'स्कूल चलो अभियान' पूरे उत्साह के साथ संचालित किया जा रहा है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे और वे अपने बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन सरकारी विद्यालयों में कराएं। रामवीर सिंह ने बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण और बेटियों की पढ़ाई को लेकर गंभीर है, इसलिए इस दिशा में सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह, सहायक अध्यापक अमित कुमार, मदनपाल, अजय सागर, मनीष कुमार, रेनू कंसल, राशिद अली और संतराम सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दरियापुर तुगन में कराई फॉगिंग, ग्रामीणों को मच्छरों के प्रकोप से मिलेगी राहत

दैनिक बुलंद मंज़िल

ढबारसी ब्यूरो। गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र के गांव दरियापुर तुगन में बढ़ती मच्छरों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए ग्राम प्रधान हेतराम सिंह ने पूरे गांव में फॉगिंग अभियान चलवाया। पिछले कुछ समय से गांव में मच्छरों की संख्या काफी बढ़ गई थी, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। खासकर शाम के समय और रात में मच्छरों के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था और बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा था। ग्रामीणों की शिकायतों और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ग्राम प्रधान ने तुरंत पहल करते हुए गांव की सभी

गलियों में फॉगिंग कराने का निर्णय लिया। इसके तहत विशेष मशीनों के माध्यम से पूरे गांव में फॉगिंग कराया गया, जिससे मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। फॉगिंग अभियान के दौरान गांव की हर गली और मोहल्ले को कवर किया गया, जिससे किसी भी हिस्से में मच्छरों की समस्या बनी न रहे। इस कार्य के दौरान सफाई व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया और लोगों को आसपास पानी जमा न होने देने के लिए जागरूक किया गया। ग्राम प्रधान हेतराम सिंह ने बताया कि गांव के लोगों की सेहत उनकी प्राथमिकता है और भविष्य में भी इस तरह के अभियान समय-समय पर चलाए जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें और कहीं भी पानी जमा न होने दें, ताकि मच्छरों के पनपने की संभावना कम हो। ग्राम प्रधान द्वारा कराई गई फॉगिंग की लोगों ने सराहना की। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के प्रयासों से न केवल मच्छरों की समस्या कम होगी, बल्कि डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से भी बचाव संभव होगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान समेत एक दर्जनों से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे।

उधार के पैसे को लेकर विवाद, डॉक्टर को जान से मारने की धमकी

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। थाना क्षेत्र में प्रैक्टिस कर रहे चिकित्सक डॉ. अंकित कुमार सैनी को देहरादून निवासी युवक रोविन सैनी द्वारा जान से मारने की धमकी देने, गाली-गलौज करने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। पीड़ित डॉक्टर ने थाना सैद नगली में प्रार्थना पत्र देकर उक्त के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डॉ. अंकित कुमार सैनी कुछ समय पूर्व अपने प्रैक्टिस कार्य के सिलसिले में देहरादून गए थे, जहां उनकी मुलाकात आरोपी रोविन सैनी से हुई। परिचय बढ़ने के दौरान दोनों के बीच आर्थिक लेनदेन हुआ, जिसमें आरोप है कि डॉक्टर ने उक्त को कुछ धनराशि उधार दी थी। डॉ. सैनी के अनुसार, घटना के समय वह देहरादून में मौजूद नहीं थे, बल्कि मुरादाबाद स्थित एक हॉस्पिटल से ही उन्होंने फोन पर रोविन सैनी से अपने पैसे वापस मांगे। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने उनसे अभद्र भाषा में बात की, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, पीड़ित का आरोप है कि आरोपी रोविन सैनी देहरादून स्थित उस किराए के मकान पर पहुंच गया, जहां डॉ. सैनी पहले रहा करते थे। वहां जाकर आरोपी ने उनका सामान तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। जब मकान मालिक ने उसे रोकने का प्रयास किया, तो आरोपी ने उनके साथ भी बदसलूकी की और डॉक्टर के प्रति अपशब्द कहे। डॉ. सैनी का कहना है कि आरोपी लगातार पैसे लौटाने से बचता रहा और फोन पर उनकी छवि खराब करने का प्रयास करता रहा। अब मामला अत्यंत गंभीर हो गया है, क्योंकि आरोपी द्वारा बार-बार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। डॉ. सैनी ने बताया कि उनके पास आरोपी के साथ हुई बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग मौजूद है, जिसे वह पुलिस को साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से तत्काल सुरक्षा और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के अनुसार, मामला देहरादून पुलिस का जुड़ा है उत्तराखंड पुलिस इस मामले को देखेगी घटना भी उत्तराखंड में ही हुई है पीड़ित की शिकायत उत्तराखंड के संबंधित थाना क्षेत्र को भेज दी गई है

हॉस्पिटल में हंगामा, फिर रंगदारी का दबाव— डॉक्टर दंपत्ति ने एसपी से शिकायत की

दैनिक बुलंद मंज़िल
/सर्वेश यादव

अमरोहा। बिजनौर रोड स्थित गैलेक्सी हॉस्पिटल में एक बच्चे की मौत के बाद हंगामा, मारपीट की कोशिश और अवैध वसूली के आरोपों का मामला सामने आया है। अस्पताल संचालक डॉक्टर दंपत्ति ने कुछ लोगों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, गैलेक्सी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. मोहम्मद निशात अख्तर (एमबीबीएस, एमडी) और उनकी पत्नी डॉ. शाज़िया अहमद (एमबीबीएस, डीजीओ) ने बताया कि 18 मार्च को शाम करीब 5 बजे साजिद और आमिर नाम के दो व्यक्ति 100 से अधिक लोगों

की भीड़ के साथ एक बच्चे का शव लेकर अस्पताल पहुंचे और हंगामा करने लगे। सूचना मिलने पर जब हम लोग नीचे आए, तो भीड़ ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए हमला करने की कोशिश की। चिकित्सकों का आरोप है कि उक्त लोग यह कहते हुए आक्रोशित थे कि उनके बच्चे की मौत अस्पताल की दवाइयों से हुई है, जबकि संबंधित मरीज 16 मार्च को ओपीडी में आया था। उस समय उसे भर्ती और ऑपरेशन के संबंध में जरूरी सलाह दी गई थी, लेकिन परिजन बिना सूचना के मरीज को अन्य अस्पताल ले गए, जहां डिलीवरी कराई गई। इसके बाद वे लोग बच्चे का शव लेकर गैलेक्सी हॉस्पिटल पहुंचे और हंगामा करने लगे। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि हंगामा करने के बाद आरोपियों ने डॉक्टर दंपति से अवैध धन उगाही की मांग की। जब उन्होंने पैसे देने से मना किया तो आरोपियों ने अस्पताल को बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी। डॉक्टर दंपति का कहना है कि इसके बाद सुनियोजित तरीके से कई सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए अस्पताल के खिलाफ झूठी और भ्रामक वीडियो वायरल की गईं, जिनमें बच्चे की मौत का जिम्मेदार अस्पताल को बताया गया। डॉक्टरों ने बताया कि जब उन्होंने संबंधित लोगों से वीडियो हटाने की बात की, तो उनसे पैसे की मांग की गई और धमकी दी गई कि पैसे न देने पर वीडियो नहीं हटाए जाएंगे और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस घटना के बाद अस्पताल की छवि को भारी नुकसान पहुंचा है और डॉक्टर समेत पूरा स्टाफ भय के माहौल में काम करने को मजबूर है। पीड़ित डॉक्टर दंपति ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रहरा में सनसनी : घर से निकली नाबालिग गायब, बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना क्षेत्र से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां एक नाबालिग किशोरी के अचानक लापता हो जाने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। सुबह घर से निकली बेटी के देर शाम तक वापस न लौटने पर परिजनों की चिंता ने भय का रूप ले लिया है। पीड़िता की मां के अनुसार, 9 अप्रैल की सुबह करीब 11 बजे उनकी बेटी घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों में काफी तलाश की, लेकिन

उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। परिवार ने गांव के ही एक युवक और उसके साथी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया है। मां का कहना है कि उनकी बेटी नाबालिग है और आसानी से किसी के झांसे में आ सकती है, जिससे उन्हें किसी अनहोनी की आशंका सता रही है। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं ग्रामीणों में भी गुस्सा और डर का माहौल है। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। थाना रहरा पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि किशोरी की तलाश के लिए टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। फिलहाल, गांव में हर आंख नम है और हर जुबां पर एक ही दुआ–बेटी सकुशल लौट आए।

सीएचसी में किशोरियों को लगा एचपीवी टीका, सर्वाइकल कैंसर से बचाव की पहल

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उद्देश्य से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत 14 वर्ष की किशोरियों को टीके लगाए गए। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल का उद्देश्य कम उम्र में ही किशोरियों को गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम का नेतृत्व चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ध्रुवेन्द्र सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में

होने वाली एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय पर टीकाकरण से इसका प्रभावी बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि एचपीवी टीका किशोरियों के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करता है और भविष्य में कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम कर देता है। डॉ. सिंह ने क्षेत्र के अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी बेटियों का समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं। उन्होंने यह भी बताया कि कम उम्र में लगाया गया यह टीका अधिक प्रभावी होता है और लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करता है। इस अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान मुनेन्द्र सिंह, मनोज जोशी, अक्षय गुप्ता, आसमा परवीन, प्रियंका चौहान और शैली यादव सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। टीकाकरण के लिए पहुंचे अभिभावकों ने इस पहल की सराहना की। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे अभियान भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मामलों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

थाने के सामने हंगामा, सड़क जाम–16

नामजद समेत कई अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। थाना क्षेत्र में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मृतक के शव को एम्बुलेंस में रखकर दर्जनों लोगों ने थाने के सामने जमकर हंगामा किया और सड़क जाम कर दी। इस दौरान पुलिस पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया, जिससे क्षेत्र में यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने 16 नामजद और 10-12 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार को समय करीब 2:36 बजे ग्राम दमगढ़ी निवासी मृतक मुकेश पुत्र भूरा के शव को लेकर कुछ लोग एम्बुलेंस से थाना सैदनगली पहुंचे। आरोप है कि वहां मौजूद लोगों ने शव को सड़क किनारे खड़ा कर पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाने के उद्देश्य से हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही

देखते भीड़ बढ़ती गई और लोगों ने सैदनगली-एचोड़ा मार्ग पर खड़े होकर सड़क जाम कर दी। इस दौरान आवागमन पूरी तरह ठप हो गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को शांत कराने और जाम खोलने का काफी प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे और नहीं माने। पुलिस के अनुसार, इस हंगामे में गुड्डू, राजकुमार, श्रीमती रजनी, जसपाल सैनी, नेकपाल सैनी, गुरुवचन जाटव, श्रीमती कविता, राजेंद्र जाटव, विपिन जाटव, सुरेंद्र, सतपाल, राजीव, मुनीराम, सुखदेव, सोनू सहित कुल 16 नामजद व्यक्तियों के अलावा 10-12 अज्ञात लोग भी शामिल थे। सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 191(2), 221, 126(2) और 285 के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना सैदनगली में तैनात उपनिरीक्षक अरुण गिरी की तहरीर पर दर्ज इस मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि उक्त व्यक्तियों ने जानबूझकर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की, कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास किया और सार्वजनिक मार्ग को अवरुद्ध कर आम जनता को असुविधा में डाला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया और जाम को खुलवाया। इसके बाद शव को आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस सतर्कता बढ़ा दी गई है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

भूसा निकालने गया किशोर सांप के डसने से अचेत, अंधविश्वास में उलझे परिजन

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। क्षेत्र के गांव पीतमपुर में गुरुवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां सांप के काटने से 13 वर्षीय किशोर की हालत गंभीर हो गई। परिजनों द्वारा समय पर उचित उपचार न कराकर अंधविश्वास का सहारा लेने से स्थिति और बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार गांव पीतमपुर निवासी अमित (13) पुत्र जय राम चार भाई-बहनों में सबसे छोटा है और कक्षा चार का छात्र है। गुरुवार शाम करीब 6 बजे वह घर से पशुओं के लिए भूसा निकालने गया था। इसी दौरान उसे सांप ने काट लिया। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी और वह अचेत होने लगा। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय पहले क्षेत्र के गांव खड़करानी में झाड़-फूंक के लिए ले गए। वहां कोई लाभ न मिलने पर उसकी हालत और गंभीर हो गई। इसके बाद परिजन उसे संभल जनपद के सिरसा स्थित एक स्थान पर लेकर पहुंचे, लेकिन वहां भी कोई सुधार नहीं हुआ। स्थिति बिगड़ने पर भी

सांप का जहर कम करने के लिए गंगा के बहते पानी में किशोर को बांधकर रखे हुए परिजन

परिजन आधुनिक चिकित्सा का सहारा लेने के बजाय अंधविश्वास में उलझे रहे। बताया गया कि किशोर के शरीर में जहर फैलने के बाद वह मूर्छित अवस्था में पहुंच गया। इसके बावजूद परिजन गंगा के बहते पानी में उसे रखकर जहर उतारने की कोशिश करते रहे। इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त अंधविश्वास और जागरूकता की कमी को उजागर किया है। यदि समय रहते किशोर को अस्पताल ले जाया जाता, तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। डॉक्टर शशांक चौधरी सीएचसी प्रभारी देहरा ने बताया कि क्षेत्र के लोग जागरूक नहीं होने के कारण झाड़ फूंक करने वालों के पास चले जाते हैं जिसका खामियां से भगत ना पड़ता है क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि जहरीले कीड़े काटने की कोई शिकायत हो तो मरीज को तत्काल सीएचसी लेकर आए यह पर्याप्त मात्रा में इंजेक्शन उपलब्ध है।

जनसुनवाई में एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल /जितेंद्र यादव

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी-अपनी शिकायतें एसपी के समक्ष रखीं, जिनमें भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, मारपीट, धोखाधड़ी समेत अन्य मामले शामिल रहे। एसपी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से किया जाए, ताकि आमजन को न्याय मिल सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए, जबकि कुछ मामलों को जांच कर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए। एसपी ने फरियादियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किया जाएगा। इस मौके पर पुलिस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। जनसुनवाई के माध्यम से आम जनता और पुलिस के बीच विश्वास को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

आदमपुर पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना आदमपुर पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना आदमपुर पुलिस टीम ने कुशल नेतृत्व में ग्राम बीझनपुर निवासी रोहताश पुत्र रामसिंह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना आदमपुर में दर्ज वाद संख्या 409/21 के तहत धारा

504 व 506 आईपीसी में मुकदमा दर्ज है। अभियुक्त न्यायालय में पेशी से बचता हुआ फरार चल रहा था, जिसके चलते उसके विरुद्ध वारंट जारी किया गया था। पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए अभियुक्त को दबोच लिया और नियमानुसार उसे संबंधित न्यायालय में पेश कर दिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सुनील कुमार एवं हेड कांस्टेबल बिजेन्द्र सिंह शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूती मिली है तथा फरार अभियुक्तों में हड़कंप मचा हुआ

नशे में बेटे का उत्पात, मां ने लगाई पुलिस से गुहार, रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा। थाना क्षेत्र के गांव बुडेरना से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मां को अपने ही बेटे से जान का खतरा बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव बुडेरना निवासी ओमवती पत्नी रमेश सिंह ने थाना अमरोहा देहात में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई है कि उनका पुत्र अविनाश आए दिन उनके साथ विवाद करता है। तहरीर में बताया गया कि बीते 8 अप्रैल की रात करीब 9 बजे अविनाश शराब के नशे में घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए अपनी मां के साथ मारपीट करने लगा। इतना ही नहीं, उसने जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे पीड़िता काफी भयभीत हो गई। पीड़िता ओमवती ने पुलिस से अपनी सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना अमरोहा देहात पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस घटना के बाद गांव में भी चर्चा का माहौल बना हुआ है।

बैठक में बड़ा संदेश–काम समय पर, नहीं तो जवाबदेही तय जिलाधिकारी

दैनिक बुलंद मंज़िल/असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। समिति के सभापति अश्वनी त्यागी की अध्यक्षता में आयोजित इस समीक्षा बैठक में जनपद के सभी प्रमुख विभागों के अधिकारियों को शासनादेशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक की शुरूआत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा सभापति एवं समिति सदस्यों के स्वागत से हुई। इसके बाद विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति, जनप्रतिनिधियों के पत्रों के निस्तारण और विकास योजनाओं की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। सभापति ने स्पष्ट कहा कि जनप्रतिनिधियों के पत्रों पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जनता से जुड़े मुद्दों का त्वरित समाधान हो सके। समीक्षा के दौरान वर्ष 2024 से अब तक विधान मंडल के सदस्यों से प्राप्त पत्रों, विकास कार्यों से जुड़े प्रस्तावों और उनके निस्तारण की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही शासकीय कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल के पालन, जनप्रतिनिधि रजिस्टर की उपलब्धता और प्रोटोकॉल उल्लंघन के मामलों पर भी चर्चा हुई। सभापति ने निर्देश दिए कि सभी विभाग नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्य करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। विकास कार्यों को लेकर भी सख्त रुख अपनाते हुए अश्वनी त्यागी ने कहा कि सभी परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ तय समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित कार्यों को बिना कारण टालना स्वीकार्य नहीं होगा और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत, विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने और छात्रवृत्ति वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग को विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक बच्चों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। वहीं विद्युत विभाग को जिला विद्युत समिति की नियमित बैठकें कराने और पुलिस विभाग को साइबर अपराधों पर तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आगामी वृक्षारोपण अभियान में स्थानीय मृदा के अनुसार फलदार और छायादार पौधे लगाने पर जोर दिया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा के तहत ब्लैक स्पॉट और अवैध कटों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बैठक में आश्वस्त किया कि समिति द्वारा दिए गए सभी निदेर्शों का गंभीरता से पालन कराया जाएगा। बैठक में विधान परिषद के सदस्य, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। यह समीक्षा बैठक प्रशासनिक जवाबदेही और विकास कार्यों की गति बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे जनहित से जुड़े कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है।

अपराधियों पर अमरोहा पुलिस का शिकंजा, 16 पर गुंडा एक्ट लागू

दैनिक बुलंद मंज़िल/सर्वेश यादव

अमरोहा। जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से अमरोहा पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 16 शातिर अभियुक्तों के विरुद्ध 3/4 गुंडा एक्ट के तहत कार्यवाही की है। यह अभियान पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाया गया, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार भदौरिया के मार्गदर्शन में पुलिस टीमों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई जिले में अपराध और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए की गई है। जिन अभियुक्तों पर गुंडा एक्ट लगाया गया है, वे लंबे समय से

लखन सिंह यादव पुलिस अधीक्षक अमरोहा

विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं और क्षेत्र में शांति व्यवस्था के लिए खतरा बने हुए थे। कार्रवाई के तहत थाना रहरा, गजरौला और अमरोहा नगर क्षेत्र के कुल 16 आरोपियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कदम उठाए गए। इनमें सरफराज, आकिब, छोटे उर्फ रहीसुद्दीन, सलीम, इलमान उर्फ इरमान, नावेद, शाहदत, शारिक, अरबाज, फरयाद, जुनैद, रामवीर सिंह, भूदेव सिंह, उमेश सिंह, बन्टी सिंह उर्फ राहुल तथा शान मोहम्मद उर्फ बन्टी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई से इन अपराधियों की गतिविधियों पर अंकुश लगेगा और आम जनता को राहत मिलेगी। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में भी यदि कोई व्यक्ति कानून-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी। अमरोहा पुलिस की इस कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे जनपद में शांति और सुरक्षा का माहौल मजबूत होगा।

लूट का खुलासा : दो बाल अपचारी गिरफ्तार, तमंचा व बाइक समेत 11,700 रुपये बरामद

दैनिक बुलंद मंज़िल/जितेंद्र यादव

अमरोहा। जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अमरोहा देहात पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने लूट की घटना का खुलासा करते हुए दो शातिर बाल अपचारी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, एक तमंचा और लूटी गई नकदी बरामद की है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात अवधभान भदौरिया के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक शौकेन्द्र बालियान के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। थाना अमरोहा देहात में दर्ज मुकदमा संख्या 112/2026 धारा

अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया

126(2)/309(4) बीएनएस से संबंधित लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए पुलिस टीम ने दोनों बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर टीम ने बान नदी पुल कैलसा-नन्हेड़ा रोड के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से एक तमंचा .315 बोर, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और लूट की 11,700 रुपये की नकदी बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 2 अप्रैल की रात करीब 10:30 बजे मालीपुर चौराहे के पास उन्होंने एक व्यक्ति से 25 हजार रुपये लूटे थे। घटना के बाद दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए राजस्थान के खाटू श्याम क्षेत्र भाग गए थे और कुछ दिन बाद वापस लौटकर लूट के पैसों से खरीदारी करने जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। बरामदगी के आधार पर अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस और 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई है। इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक ने टीम को 10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शौकेन्द्र बालियान, उपनिरीक्षक साहब सिंह सहित कई पुलिसकर्मी शामिल रहे, जिनकी सक्रियता से इस घटना का सफल खुलासा संभव हो सका।

कोर्ट के आदेश पर लूट, मारपीट व छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र से एक गंभीर आपराधिक मामला सामने आया है, जिसमें न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने लूट, मारपीट और छेड़छाड़ समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला एक बुजुर्ग ग्रामीण द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़ा है, जिसने पुलिस द्वारा पहले कार्रवाई न किए जाने पर न्यायालय की शरण ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना डिडौली क्षेत्र के गांव टिकिया निवासी शबाबुल हसन ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर आरोप लगाया कि दिनांक 13 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 3:40 बजे वह अपने घर में परिवार के साथ मौजूद थे। उसी दौरान आरोपित पक्ष के लोग जबरन उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। प्रार्थी के अनुसार, आरोपितों में तसलीम, उसके पुत्र शाहनवाज, शाह आलम, साऊद, साऊद की पत्नी शायरा तथा बाबू उर्फ ह्यशोलर वालाह्ल शामिल हैं। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर न केवल मारपीट की बल्कि घर में रखे सामान की लूटपाट भी की। पीड़ित का कहना है कि उनकी पुत्री की शादी के लिए रखे गए करीब 8 तोले सोने के आभूषण, 1 लाख 95 हजार रुपये नकद और लगभग 30 हजार रुपये के कीमती वस्त्र भी आरोपित अपने साथ ले गए। मामले को और गंभीर बनाते हुए प्रार्थी ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान आरोपित शाहनवाज और शाह आलम ने उनकी पुत्री उम्मेहानी के साथ अश्लील हरकतें कीं। उन्होंने जबरन उसके साथ छेड़छाड़ की, जिससे उसकी लज्जा भंग हुई। पीड़ित परिवार के अनुसार, इस दौरान शोर-शराबा सुनकर मोहल्ले के कुछ लोग मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। पीड़ित ने बताया कि जाते समय आरोपितों ने तमंचे से जान से मारने की धमकी भी दी। मारपीट में उन्हें और उनकी पुत्री को सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित ने तत्काल थाना डिडौली में तहरीर दी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक अमरोहा को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन वहां से भी कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। अंततः न्याय न मिलने से आहत होकर उन्होंने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय एसीजेएम (द्वितीय) अमरोहा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना डिडौली पुलिस को आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने के आदेश दिए। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है। थाना डिडौली पुलिस का कहना है कि न्यायालय के निदेर्शानुसार मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। वहीं, पीड़ित परिवार न्याय की उम्मीद लगाए बैठा है। अब देखना यह होगा कि पुलिस जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और आरोपितों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

नौगांवा सादात क्षेत्र में अवैध खनन का खेल जारी, ग्रामीणों में आक्रोश

दैनिक बुलंद मंज़िल

नौगांवा सादात ब्यूरो। थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर में अवैध खनन का कारोबार लगातार जारी है, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। आरोप है कि गांव में सुबह होते ही खनन माफिया सक्रिय हो जाते हैं और मशीनों व ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से मिट्टी और रेत का अवैध खनन धड़ल्ले से किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार यह पूरा खेल खुलेआम संचालित हो रहा है, लेकिन इसके बावजूद संबंधित विभाग और पुलिस प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और उनमें किसी प्रकार का भय नजर नहीं आता। अवैध खनन के चलते गांव की सड़कों की हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं, जिससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, खेतों और आसपास की

जमीन को भी नुकसान पहुंच रहा है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। सुबह के समय ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही से ग्रामीणों की नींद में खलल पड़ता है। साथ ही उड़ने वाली धूल और मिट्टी के कारण वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। बच्चों और बुजुर्गों को सांस संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित विभाग को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति असंतोष बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए और इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

पुलिस की पकड़ से नहीं बच सका वारंटी, घर से ही गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

बछरायूं ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बछरायूं पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्त जितेन्द्र सिंह पुत्र चरण सिंह निवासी ग्राम कमालपुर काजी को उसके घर से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ पूर्व में दर्ज मुकदमे में न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध वाद संख्या 142/2025 के तहत धारा 498ए, 323 व 506 भादवि में मामला दर्ज है। लंबे समय से फरार चल रहे अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर

सक्रिय हुई पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे पकड़ लिया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक चांदवीर सिंह, कांस्टेबल सुनील कुमार व कांस्टेबल मनीष कुमार की विशेष भूमिका रही। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे आगे की कार्रवाई हेतु भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिल रही

एसपी सोमेंद्र मीना पटवाई थाने का औचक निरीक्षण किया

दैनिक बुलंद मंज़िल

गुरुवार की देर रात एसपी सोमेंद्र मीना पटवाई थाने का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने थाना कार्यालय पर बने अपराध रजिस्टर, त्यौहार, रजिस्टर मालखाना रजिस्टर, विवेचना रजिस्टर, फ्लाई शीट आदि एवं उनके रख रखाव, साफ-सफाई, उनमें अंकित की जाने वाली प्रविष्टयों को चैक किया गया। इसके अलावा उन्होंने बीट पुलिस कर्मियों से भी उनके क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों की जानकारी ली। निर्देश दिए कि अपराध रोकने के लिए पुलिस कर्मी नियमित अपनी बीट पर जाकर लोगों से संपर्क करते रहे। मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना

पुलिस द्वारा किए गए गुडवर्क की जानकारी ली। निर्देश दिए कि अभियान के संबंध में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरुक किया जाए। इसके अलावा साफ- सफाई एवं थाना परिसर में चल रहे मरम्मत कार्यो का जायजा लेकर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। साथ ही कहा कि अगर थाने में कोई भी फरियादी आता है तो पुलिस कर्मी उसके साथ विनम्र व्यवहार करें। फरियादियों के साथ की गई किसी भी तरह की अभद्रता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हिम्मतपुर पंचायत सचिवालय हुई चोरी, पुलिस में दी तहरीर

दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहबाद रामपुर। मामला कोतवाली शाहबाद से जुड़ा है जहां विकासखंड शाहबाद के अंतर्गत ग्राम पंचायत हिम्मतपुर के सचिवालय में चोरी होने की तहरीर पंचायत सहायक के द्वारा शाहबाद पुलिस को दी गई है। जहां चोरों के द्वारा पंचायत भवन से दो बैटरी इन्वर्टर , प्रिंटर आदि विद्यालय के आवश्यक समान ताले तोड़कर ले गए। हमारे ब्यूरो विनोद गुप्ता को शिकायतकर्ता पंचायत सहायक आकिल हुसैन ने जानकारी में बताया कि ग्राम प्रधान आदि ग्राम पंचायत हिम्मतपुर के सम्मानित नागरिकों को इसकी सूचना दी जिसके बाद उनके द्वारा शाहबाद पुलिस में चोरी की घटना की तहरीर दी गई है। जिस मामले में पुलिस जांच में जुट गई है।

बिजली की चिंगारी से गेहूं की फसल जली

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

नौहझील। विकास खंड नौहझील की ग्राम पंचायत रायपुर के खादर क्षेत्र में बिजली की लाइन से निकली चिंगारी के कारण गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग फैल गई और कई एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग लगने से पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। आसपास के गांवों से हजारों किसान मौके पर पहुंचे और सैकड़ों ट्रैक्टरों व पेड़-पौधों की टहनियों की मदद से घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाया। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद अग्निशमन विभाग की कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची।

किसानों ने बताया कि खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइनें काफी समय से जर्जर हालत में थीं। इसकी शिकायत कई बार बिजली विभाग से की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के चलते ही यह बड़ी घटना हुई है। बताया जा रहा है कि गांव के किसान ओमवीर, संजीव, रविंद्र, करुआ, बंटू, महेंद्र, राजू, देवपाल, दामो, ओमप्रकाश, लाला, हरकेश, बंटी, मोहन, सुरेंद्र, जुगेंद्र सहित कई किसानों की फसल जली है। जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। बताया जा रहा है कि करीब 20 किसानों की फसल कट चुकी थी, लेकिन भूसा नहीं बन पाया था। अब उन्हें पशुओं के चारे के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा नेता चौधरी प्रेम नौहवार ने क्षेत्रीय विधायक राजेश चौधरी और प्रशासन से बातचीत कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। आग बुझने के बाद मौके पर तहसीलदार और पुलिस प्रशासन पहुंच गया, जिन्होंने जली हुई फसल का मुआयना कर रिपोर्ट तैयार करना शुरू कर दिया है।

दबंगों ने दिखाई दबंगई, इगलास पुलिस की मनमानी, गाय मांगने पर मना किया तो दलित युवक को पीटा, आया फैक्चर, गर्भवती गाय का गर्भपात गिराया

तहरीर लेकर भटक रहा इधर से उधर, पुलिस बनी बेखबर और निर्दई

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के गांव टुकसान निवासी पवित्र कुमार के साथ मारपीट और पशुओं के साथ क्रूरता का मामला सामने आया है। अलीगढ़ जिले के थाना इगलास क्षेत्र के गांव निवासी कलूआ उर्फ कालू और भोला तथा छह-सात अज्ञात लोगों पर आरोप लगाया है। पीड़ित थाना हाथरस गेट क्षेत्र के गांव टुकसान का रहने वाला है। उसका नाम पवित्र कुमार है। पीड़ित पवित्र कुमार के अनुसार, वह 5 अप्रैल को बीछिया गांव के पास खेतों में अपनी गायों को चरा रहा था।

तभी कलुआ उर्फ कालू, भोला और उनके साथ 6-7 लोग लाठी-डंडों के साथ पहुंचे और गायें मांगने लगे। मना करने पर आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि हमलावरों ने गायों को भी पीटा, जिससे एक गाय का सींग टूट गया, जबकि सात माह की गर्भवती गाय का गर्भपात हो गया। सूचना पर पुलिस पहुंची, लेकिन आरोपी फरार हो गए। जाते-जाते उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने 8 अप्रैल को थाना इगलास में तहरीर देने गया था। पुलिस हाथरस की घटना बताकर टालमटोल कर रही है। पीड़ित के नाक में फैक्चर आया है। जिसका उसने सरकारी अस्पताल में एक्सरा कराया है।

शाहबाद में निजी कॉलेज में टी सी को लेकर पनपा विवाद

तहसीलदार, सी ओ संग फोर्स पहुंचे कोतवाल मामला कराया शांत

दैनिक बुलंद मंज़िल /विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। नगर के चर्चित कॉलेज का मामला सामने आया है जहां टी सी को लेकर छात्र कपिल ने आरोप लगाया कि कॉलेज स्टाफ की ओर से जब उसे टी सी देने को मना किया तब उसने भीम आर्मी के कार्यकताओं को बुला लिया और वीडियो वायरल कर दिया बताया गया है कि मामला भीम आर्मी के कार्यकताओं के संज्ञान में आने पर उन्होंने कॉलेज के सामने एकत्र होकर प्रदर्शन करने की तैयारी कर ली। जानकारी पर मौके पर पुलिस प्रशासन

भी पहुंच गए। इस अवसर पर शाहबाद तहसीलदार अमित कुमार, सी ओ देवकीनंदन एवं कोतवाल प्रदीप कुमार एस आई भारी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ पहुंच गए किसी तरह प्रशासन के आश्वासन पर भीम आर्मी के कार्यकताओं ने स्कूल प्रबंधन की ओर से माफी मांगने पर मामला शांत कराया। जब हमारे ब्यूरो विनोद गुप्ता ने कॉलेज के प्रधानाचार्य भुवनेश कुमार से वार्ता की तो उन्होंने बताया कि उनके वावू सुनील कुमार उस समय स्कूल के आवश्यक कार्य में व्यस्त थे जिस दौरान उनके द्वारा टी सी को बाद में लेने की बात कही गई थी । परन्तु छात्र की हट पर वीडियो बनाकर कॉलेज के नियम का उल्लंघन किया गया। फिर भी पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में स्टाफ एवं प्रबंधन के द्वारा मामले को शांत कराया गया।

सोनार महासमागम में स्वर्णकार दिखाएंगे अपनी ताकत,मथुरा से सेकड़ो सोनार करेंगे सिरकत

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा । लखनऊ के रविंद्रालय सभागार में आयोजित सोनार महासमागम में स्वर्णकार समाज की राजनीति में भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर अखिल भारतीय स्वर्णकार जनजागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने स्वर्णकार समाज से अधिक से अधिक संख्या में महासमागम में पहुंचने का आह्वान किया है। श्री वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज अब किसी भी राजनीतिक दल की कठपुतली या बंधुवा बनकर नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि संख्या बल होने के बावजूद समाज को उसके हिस्से की राजनीतिक भागीदारी नहीं मिल रही

है, जिसका मुख्य कारण समाज का बंटा होना है। ऐसे में सभी को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने स्वजातीय बंधुओं से 11 अप्रैल को अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचकर अपनी ताकत दिखाने की अपील की। श्री वर्मा ने कहा कि जिस तरह अन्य समाजों को राजनीतिक दलों में भागीदारी मिलती है, उसी प्रकार सोनार समाज को भी उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। महासमागम में स्वर्ण कला बोर्ड गठन, बीएनएस की धारा 317 के तहत पुलिसिया उत्पीड़न, साहूकारी लाइसेंस की बहाली, स्वर्ण व्यवसायियों को न्यायिक सुरक्षा तथा शस्त्र लाइसेंस उपलब्ध कराने जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से उठाए जाएंगे।

मथुरा : यमुना में पलटी श्रद्धालुओं की नाव, 10 की मौत

मुख्यमंत्री ने जताया दुख, बचाव कार्य में सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की मदद ली जा रही है

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा। शुक्रवार को यमुना में श्रद्धालुओं की नाव पलटने से 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। राहत और बचाव कार्य में जिला प्रशासन ने सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की मदद ली। खबर लिखे जाने तक राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चल रहा था। 10 लोगों के शव बरामद किये जा चुके थे जबकि 14 से 15 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया था। रेस्क्यू किये गये श्रद्धालुओं को तत्काल उपचार के लिए भेजा गया। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को भी इमरजेंसी अलर्ट पर रखा गया है। घटना दोपहर को करीब सवा तीन बजे हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ने घटना पर शोक व्यक्त किया है और बचाव और राहत कार्य बडे स्तर पर चलाने के निर्देश दिये हैं। वृंदावन में यमुना पर बंसीवट और केसी घाट के बीच में पेंटून पुल है उसी के पास यह दुर्घटना हुई। स्थानीय लोगों का यही कहना था कि पेंटून पुल से टकराने के बाद नाव नदी में पलट गई। नाव में लुधियाना पंजाब से आये श्रद्धालु सवार थे जिनकी संख्या 30 से 32 बताई जा रही है। हालांकि श्रद्धालुओं की संख्या के बारे में कोई भी सटीक जानकारी नहीं दे पा रहा था। यहां तक कि जिन लोगों को रेस्क्यू कर बचाया गया वह भी एक निश्चित संख्या नहीं बता पा रहे थे। बताया गया कि पंजाब के लुधियाना से एक ग्रुप आया है, जिसमें करीब 150 लोग हो सकते हैं, इन्हीं में से कुछ लोग इस नाव पर सवार थे। दूसरी नाव पर भी कुछ श्रद्धालु थे। यह इलाका गोताखोरों का है, गोताखोर बडी संख्या में यहां रहते हैं। नाव पलटने की घटना के पीछे बताया जा रहा है कि यहां विगत दिनों पेंटून पुल के पीपा हटा दिये गये थे लेकिन उन्हें यमुना से बाहर नहीं निकाला गया था, इन्हीं में से किसी पीपा से नाव टकराई और हादया हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन मिलकर बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू कर दिया। गोताखोर यमुना के गहरे पानी में डूबे हुए लोगों की तलाश में जुटे थे। पुलिस की टीम ने गोताखोरों की मदद से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इनमें से एक श्रद्धालु को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। दुखद रूप से, इस हादसे में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने इसकी पुष्टि की है। सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने बिना देर किए बचाव अभियान शुरू कर दिया। दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आ रही है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और बचाव दल का सहयोग करने की अपील की है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। यह बात भी सामने आ रही है कि 150 लोगों का दल लुधियाना, पंजाब और मुक्तेश्वर से आया है और ये सभी उनमें ही शामिल थे।

सीएम योगी ने जताया दुख

हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्य संचालित करने और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

सवा तीन बजे बंसीवट और केसी घाट के बीच में जहां पेंटून पुल है यह दुर्घटना हुई। नाव के टकराने का जो कारण अभी तक जो लोग बता रहे है वह यह है कि पेंटून पुल से टकराकर नाव पलटी है। स्थानीय गोताखोर, पुलिस, गोताखोर, मेडिकल टीम, प्रशासन की टीम सभी प्रशासकीय विभाग संयुक्त रूप से अभियान चला रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए भिजवाया गया है। अभी तक 10 शव बरामद किये जा चुके हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमें भी अपने स्थान से रवाना हो चुकी हैं।

-शैलेन्द्र कुमार पांडेय, डीआईजी आगरा

बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी है। पंजाब के लुधियाना से आये श्रद्धालु नाव से वृंदावन में दर्शन कर रहे थे तभी एक नाव डूब गई। जिसमे लगभग 14 से अधिक लोगों को बचा लिया गया है, छह की मौत हो गई है। पूरी तरह से राहत बचाव कार्य चल रहा है। आर्मी, एनडीआरएफ की मदद ली गई है। यह गोताखोरों का इलाका है, गोताखोर यहां बडी संख्या में रहते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी राहत बचाव कार्य चलाने और घायलों को अच्छा इलाज कराने के निर्देश दिये हैं।

-सीपी सिंह, जिलाधिकारी मथुरा

सट्टे की खाई-बाड़ी करते दो आरोपी गिरफ्तार, नगदी और पर्चा बरामद

हाथरस गेट पुलिस की कार्यवाही, जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। थाना हाथरस गेट पुलिस ने सट्टे की खाई-बाड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से नगद धनराशि, पर्चा सट्टा एवं पेन बरामद किया है। बागला चौकी प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के आदेश पर जुआ एवं सट्टे की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर प्रगतिपुरम कॉलोनी गेट, नगला भूरा रोड के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 480 रुपये नगद, सट्टे के पर्चे और एक पेन बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद थाना हाथरस गेट में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अजय कुमार और लाल मोहम्मद निवासी रमनपुर, थाना हाथरस गेट के रूप में हुई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

महिला थाना हाथरस में मिशन शक्ति के तहत दंपत्ति विवाद का हुआ निस्तारण, दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद किया समाप्त

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस । जिला के अंतर्गत महिला थाना हाथरस में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत एक पारिवारिक विवाद का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवेदिका रेनू कुमारी, पुत्री मेघ श्याम, निवासी खेड़ा परसौली, थाना चन्दपा, जिला हाथरस द्वारा दिनांक 20 जनवरी 2026 को अपने पति अजय कुमार, पुत्र जगदीश, निवासी सिरावली, थाना सासनी, जिला हाथरस के विरुद्ध महिला थाना में लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि पति एवं ससुरालीजन द्वारा मारपीट, गाली-गलौज एवं अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। मामले को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों को थाना हाजा पर बुलाकर काउंसलिंग की गई। वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी बात रखी। पति-पत्नी एवं ससुरालीजनों ने भविष्य में किसी भी प्रकार की मारपीट एवं गाली-गलौज न करने का आश्वासन दिया। काउंसलिंग के उपरांत दोनों पक्ष आपसी सहमति से राजी हो गए और किसी भी प्रकार की पुलिस कार्यवाही की अपेक्षा नहीं जताई। इसके बाद पुलिस ने समझौते के आधार पर मामले का निस्तारण कर दिया। पुलिस की पहल से पारिवारिक विवाद का शांतिपूर्ण समाधान होने पर दोनों पक्षों ने संतोष व्यक्त किया।

ट्रैक्टर निकालने के विवाद में दो पक्ष भिड़े, मारपीट में पांच लोग घायल

सासनी के नाई का नगला गांव में मामूली कहासुनी ने लिया हिंसक रूप, गंभीर घायल जिला अस्पताल रेफर

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी कोतवाली क्षेत्र के गांव नाई का नगला में गुरुवार देर शाम ट्रैक्टर निकालने को लेकर हुआ मामूली विवाद अचानक हिंसक हो गया। खेत से फसल ढोने के लिए रास्ते से ट्रैक्टर ले जाने के दौरान दो पक्षों में कहासुनी हो गई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई। इस झगड़े में दोनों पक्षों के कुल पांच लोग घायल हो गए। घटना के दौरान एक पक्ष के अनिल पर जानलेवा हमला हुआ, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हो गए। अनिल को बचाने के लिए उनकी पत्नी और दो पुत्रियां आगे आईं, लेकिन आरोप है कि हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की। वहीं दूसरे पक्ष के रंजन को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद परिजन सभी घायलों को आनन-फानन में कोतवाली लेकर पहुंचे, जहां से पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद अनिल की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

ऑपरेशन क्लीन के तहत 441 लीटर अवैध देशी शराब कराई गई नष्ट

न्यायालय के आदेश पर कोतवाली सासनी में 68 मुकदमों से संबंधित माल का किया गया निस्तारण

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। शासन द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीनह्व अभियान के तहत माननीय न्यायालय के आदेशानुसार थाना सासनी में आबकारी अधिनियम से संबंधित मामलों में जब्त की गई अवैध देशी शराब का निस्तारण किया गया। जानकारी के अनुसार, आबकारी अधिनियम के अंतर्गत दर्ज 68 अभियोगों से संबंधित मालखाने में रखी गई अवैध शराब के निस्तारण हेतु न्यायालय से विधिवत अनुमति प्राप्त की गई। इसके बाद माननीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुपालन में थाना सासनी परिसर में प्रभारी निरीक्षक एवं संबंधित पुलिस स्टाफ की उपस्थिति में कार्रवाई की गई। मालखाने से निकाली गई करीब 441 लीटर अवैध देशी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1,10 हजार रुपये बताई गई है, को नियमानुसार गड्ढा खुदवाकर नष्ट कर दिया गया तथा बाद में उसे विधिवत रूप से दबा दिया गया। पुलिस प्रशासन ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में पारदर्शिता के साथ संपन्न की गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी किसान की झोपड़ी में आग

दैनिक बुलंद मंज़िल

पटवाई । थाना क्षेत्र डोहरिया गांव में किसान गेंदन लाल की झोपड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई किसान गेंदन लाल के बेटे के बताया जब झोपड़ी में आग लगी तब उसके पिता गेंदन लाल और माता के खेत पर गेहूं काट रहे थे किसी ग्रामीण ने उनको खेत पर जाकर सूचना दी जब तक झोपड़ी में रखा सामान चारपाई रजाई और अन्य सामान जल कर राख हो गया जिसकी कीमत लगभग एक लाख बताई गई।

बरेली कॉलेज में रील्स बनाना अब नामुमकिन, बिना आईडी एंट्री पर भी रोक, आखिर क्यों उठाया गया ये कदम

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। इंटरनेट मीडिया पर लगातार वायरल हो रही विवादित रील्स ने बरेली कॉलेज प्रशासन को सख्त कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है। छात्राओं द्वारा कैंपस में द्विअर्थी शब्दों के साथ बनाए गए वीडियो सामने आने के बाद चीफ प्राक्टर ने परिसर में रील्स और वीडियो शूटिंग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। चेतावनी दी गई है कि आदेश का उल्लंघन करने पर सीधे निलंबन जैसी कार्रवाई होगी। बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक रील वायरल हुई, जिसमें कॉलेज परिसर के स्वीमिंग पूल भवन के सामने स्कूटी पर बैठकर तीन छात्राओं ने वीडियो शूट किया। इस रील में द्विअर्थी और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद भी इसी तरह की रील्स लगातार अपलोड होती रहीं, जिससे कॉलेज की छवि पर सवाल उठने लगे।

अनुशासनहीनता पर पहले भी दी गई चेतावनी

बुधवार को बारिश के दौरान तीन विद्यार्थियों द्वारा अनुशासनहीनता किए जाने पर उन्हें चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद स्थिति में सुधार न होते देख प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए सीधे प्रतिबंध लागू कर दिया। चीफ प्राक्टर प्रो. इंदीवर सिंह चौहान ने स्पष्ट कहा कि अब कॉलेज परिसर में किसी भी तरह की रील या वीडियो शूटिंग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। यदि कोई छात्र-छात्रा इस तरह की गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ निलंबन सहित कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों ने उठाई आपत्ति

प्रतिबंध के फैसले पर कुछ विद्यार्थियों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि कई छात्र कॉलेज के ऐतिहासिक भवन, हरियाली और शैक्षणिक माहौल को रील्स के माध्यम से सकारात्मक तरीके से दिखाते हैं। उनका तर्क है कि केवल आपत्तिजनक या नकारात्मक कंटेंट पर ही रोक लगनी चाहिए। प्रशासन ने साफ किया है कि कॉलेज परिसर में वाहनों का प्रवेश पहले से ही प्रतिबंधित है, इसलिए छात्र वाहन पार्किंग में ही खड़े करें। साथ ही बिना परिचय पत्र के किसी को भी परिसर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

मीठी गोली, बड़ा असरः होम्योपैथी बनी हेल्थ का नया ट्रेंड, कोविड से लेकर खेत और पशुओं तक असरदार

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। विश्व होम्योपैथिक दिवस एक ऐसी चिकित्सा पद्धति का उत्सव है, जो समः समं समति के सिद्धांत पर आधारित है। यानी वही पदार्थ, जो बीमारी के लक्षण पैदा करता है, उसी को सूक्ष्म मात्रा में देकर रोग को खत्म किया जाता है।

इस क्रांतिकारी सोच के जनक सैमुअल हैनिमैन की जयंती पर दुनिया भर में इस पद्धति की उपयोगिता और प्रभाव पर चर्चा हो रही है। 1755 में जर्मनी में जन्मे हैनिमैन ने आधुनिक चिकित्सा की कठोरता से त्रस्त होकर होम्योपैथी की नींव रखी। आज यह पद्धति विश्वभर में लाखों लोगों के इलाज का माध्यम बन चुकी है और समग्र स्वास्थ्य–शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक संतुलन–पर जोर देती है।

कोविड में बरेली मॉडलः 2986 मरीजों को राहत का दावा

कोविड-19 महामारी के दौरान बरेली में होम्योपैथी ने अपनी प्रभावशीलता का दावा किया।

डॉ. विकास वर्मा के अनुसार, करीब 2986 मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिला।

आर्सेनिकम एल्बम, एस्पीडोस्पर्मा और काली कार्ब जैसी दवाओं ने प्रतिरक्षा बढ़ाने और लक्षणों में सुधार में अहम भूमिका निभाई।

पेट से मानसिक रोग तक–हर मोर्चे पर इलाज का दावा

ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी अस्पतालों तक होम्योपैथी का दायरा तेजी से बढ़ा है।

पेट के रोग, पीलिया, पथरी
गठिया, त्वचा रोग, एलर्जी
मानसिक विकार

इन बीमारियों में इस पद्धति से सफल उपचार के दावे सामने आए हैं। हङ्क१'ि ली'ं३ँ ड१ॅल्ल९३ङ्कल्ल भी इसे पूरक चिकित्सा के रूप में स्वीकार करता है।

खेती-पशुपालन में एंट्रीः एग्रो होम्योपैथी का नया मॉडल

होम्योपैथी अब इंसानों तक सीमित नहीं रही।

डॉ. विकास वर्मा को देश में एग्रो होमियोपैथिक के जनक के रूप में जाना जाता है।

उनके शोध में पेड़-पौधों की बीमारियों के इलाज, रासायनिक जहर से मुक्ति और पशुपालन में बेहतर परिणाम के दावे किए गए हैं।

यह पहल प्रधानमंत्री के जहर मुक्त कृषि संकल्प को भी मजबूती देने की दिशा में देखी जा रही है।

सस्ती-सुरक्षित और अब सरकारी सिस्टम का हिस्सा

भारत में केंद्रीय आयुष मंत्रालय के तहत होम्योपैथी को राष्ट्रीय मान्यता मिली है।

कम लागत, आसान उपलब्धता और साइड इफेक्ट्स न होने के दावों के चलते यह पद्धति आम लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

युवा आगे आएं, शोध बढ़े–तभी बनेगा मजबूत विकल्प

विशेषज्ञों का मानना है कि होम्योपैथी को मुख्यधारा में और सशक्त बनाने के लिए

जागरूकता अभियान, सेमिनार और रिसर्च को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि यह एलोपैथी के साथ मिलकर एकीकृत चिकित्सा प्रणाली का मजबूत आधार बन सके।

एसआईआर के बाद मथुरा जनपद में बढ गये 109458 मतदाता

एसआईआर से पता चला है कि लिंगानुपात में चार प्रतिशत की कमी आई है

बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल

मथुरा। एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद जनपद में कुल 109458 मतदाता बढ गये हैं। 06 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची में कुल मतदाता 1573575 थे, जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 862683, महिला मतदाताओं की संख्या 710857, तृतीय लिंग मतदाताओं की संख्या 35, 18-19 आयु वर्ग मतदाताओं की संख्या 7110 तथा जेण्डर रेशियो 824 था। 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अन्तिम मतदाता सूची में कुल मतदाता 1683033 है, जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 920585, महिला मतदाताओं की संख्या 762407, तृतीय लिंग मतदाताओं की संख्या 41, 18-19 आयु वर्ग मतदाताओं की संख्या 29077 तथा जेण्डर रेशियों 828 है। जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि आलेख्य मतदाता सूची के सापेक्ष अन्तिम मतदाता सूची में कुल 109458 मतदाताओं में वृद्धि हुई है, जिसमें पुरुष मतदाताओं में वृद्धि 57902, महिला मतदाताओं में वृद्धि 51550 तृतीय लिंग मतदाताओं में वृद्धि 6, 18-19 आयु वर्ग मतदाताओं में वृद्धि 21967 तथा जेण्डर रेशियों में वृद्धि 4 की हुई है। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 की घोषणा 27 अक्टूबर 2025 को की गई थी। गणना चरण चार नवम्बर 2025 से 26 दिसम्बर 2025 हुआ, आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन छह जनवरी 2026 तथा दावा एवं आपत्ति की अवधि छह जनवरी से छह मार्च 2026 तक थी। छह जनवरी से 27 मार्च 2026 तक नोटिस चरण (सुनवाई, सत्यापन) एवं दावे और आपत्तियों का निस्तारण का कार्य किया गया तथा 10 अप्रैल 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ है।

166 दिनों तक चले अथक प्रयास से पूरी हुई प्रक्रिया

166 दिनों तक चले इस वृहद अभियान को सफल बनाने में जनपद से सम्बन्धित 5 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के 5 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ), 176 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (एईआरओ), 219 बीएलओ सुपरवाइजरों एवं 2266 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा निष्ठा एवं लगन के साथ कार्य किया गया। साथ ही सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के 9416 बूथ लेवल एजेंटों एवं लाखों मतदाताओं द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2026 के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया द्वारा भी अपना अमूल्य योगदान दिया गया। जिसके लिए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी का आभार, धन्यवाद किया है।

बिजनौर में एसएआईआर के बाद दो लाख 64 हजार मतदाता हुए कम, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सौंपी गई मतदाता सूची

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जनपद के आठों विधानसभा क्षेत्रों के 3092 बूथों पर शुक्रवार को मतदाता सूची प्रकाशित का अंतिम प्रकाशन किया गया। अब जनपद में कुल 24,85,555 मतदाता है, इनमें 13,43,837 पुरुष, 11,41,630 महिला और 58 थर्ड जेंडर मतदाता है।एसआइआर के बाद कुल दो लाख 64 हजार 764 मतदाता कम हुए है, इनमें एक लाख 14 हजार 143 पुरुष, एक लाख 50 हजार 591 महिला और 30 थर्ड जेंडर शामिल है। उधर कलक्ट्रेट स्थित कार्यालय में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम वित्त एवं राजस्व ने भाजपा, सपा और बसपा समेत कई अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची वितरित की। जनपद की नजीबाबाद, नगीना, बढ़ापुर,

धामपुर, नहटौर, बिजनौर, चांदपुर और नूरपुर क्षेत्र में 27 अक्टूबर 25 को कुल मतदाता की संख्या 27 लाख 50 हजार 319 थी, इनमें 14 लाख 58 हजार 10 पुरुष, 12 लाख 92 हजार 221 महिला और 88 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल थे। शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभाकक्ष में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई। प्रकाशित मतदाता सूची में जनपद के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में 24,85,555 मतदाता है, इनमें 13,43,837 पुरुष, 11,41,630 महिला और 58 थर्ड जेंडर मतदाता है। एसआइआर के बाद कुल दो लाख 64 हजार 764 मतदाता कम हुए है, इनमें एक लाख 14 हजार 143 पुरुष, एक लाख 50 हजार 591 महिला और 30 थर्ड जेंडर शामिल है। कलक्ट्रेट स्थित कार्यालय में हुई बैठक में मौजूद उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह ने भाजपा, सपा और बसपा समेत कई अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची वितरित की। इस दौरान जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर मौजूद बीएलओ ने मतदाता सूची प्रकाशित की। बैठक में सहायक निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार, भाजपा प्रतिनिधि धीर सिंह, बसपा प्रतिनिधि मुंशी सद्दीक,सपा प्रतिनिधि अखलाक उर्फ पप्पू मौजूद थे। इस दौरान मतदान केंद्रों पर सूची में अपना नाम देखने के लिए मतदाता पहुंचे। विस का नाम- एसआइआर से पहले- एसआइआर के बाद- कम हुए मतदाता

नजीबाबाद-3,57,195-3,21,113- 33,082
नगीना-3,53,119-3,23,441- 29,678
बढ़ापुर-3,63,000-3,33,641- 29,359
धामपुर-3,07,491- 2,77,670- 29,821
नहटौर-3,10,948-2,87,589- 23,359
बिजनौर-3,96,671-3,37,655- 59,016
चांदपुर-3,32,361-3,03,865- 28,496
नूरपुर-3,29,534-3,00,581- 28, 953
कुल-27,50,319-24,85,555- 2,64,764

वान्या सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम वित्त एवं राजस्व ने बताया कि जिला मुख्यालय समेत जनपद के सभी 3092 बूथों पर मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। एसआइआर के बाद दो लाख 64 हजार 764 मतदाता कम हुए है।

प्रशासनिक जज कमलेश पंवार ने किया जिला कारागार बिजनौर का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दैनिक बुलंद मंज़िल / उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। प्रशासनिक न्यायाधीश, मा० उच्च न्यायालय प्रयागराज के प्रशासनिक जज कमलेश पंवार ने शुक्रवार को जिला कारागार, बिजनौर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जिला जज संजय कुमार, जिलाधिकारी जसजीत कौर तथा पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक जज ने जेल की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की और यह सुनिश्चित किया कि उन्हें समय पर उचित भोजन मिल रहा है। इसके साथ ही, उन्होंने बीमार बंदियों के इलाज की स्थिति और चिकित्सा सुविधाओं की भी समीक्षा की।जज कमलेश पंवार ने यह भी जानकारी ली कि क्या किसी बंदी को सरकारी वकील की आवश्यकता है और उन्हें विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है या नहीं। उन्होंने जेल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था की सराहना की और इसे और बेहतर बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के अंत में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कारागार की सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखा जाए। साथ ही, बंदियों के अधिकारों और सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, असम के मुख्यमंत्री का पुतला फूंका, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

बिजनौर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेशांनुसार जिला बिजनौर कांग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर असम के मुख्यमंत्री हिमांता शर्मा के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और उनका पुतला दहन किया।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई, लेकिन जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेन्रिता राजीव सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने रणनीतिक तरीके से पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। इसके बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम रितु रानी को ज्ञापन सौंपकर मामले

में कार्रवाई की मांग की।यह प्रदर्शन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़के और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पवन खैरा के खिलाफ की गई कथित अमर्यादित टिप्पणियों के विरोध में किया गया। जिला कांग्रेस पदाधिकारियों ने इन बयानों की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताया। नेताओं ने कहा कि इस प्रकार की भाषा राजनीतिक मयार्दाओं का उल्लंघन है और देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को आहत करती है। उन्होंने मांग की कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए। कार्यक्रम में जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया। अंत में जिला कांग्रेस कमेटी ने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की टिप्पणियां बंद नहीं हुईं, तो पार्टी देशभर में व्यापक आंदोलन करेगी। प्रदर्शन में हेनरीता राजीव सिंह (जिला अध्यक्ष), ओमवती देवी (पूर्व सांसद), हुमायूं बेग (शहर अध्यक्ष), आर.के. सिंह (पूर्व आईएएस) सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चांदपुर पुलिस का एक्शन : दो अवैध तमंचों व कारतूसों के साथ शातिर अभियुक्त दबोचा

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना चांदपुर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। अवैध हथियारों के निर्माण, बिक्री और उनके प्रयोग पर रोक लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 10 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम ने एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त योगेन्द्र पुत्र छतर सिंह निवासी ग्राम रुकनपुर, थाना चांदपुर, जनपद बिजनौर है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी अवैध हथियारों के साथ क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर

आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का तमंचा मय दो जिंदा कारतूस तथा एक 12 बोर का तमंचा मय दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर थाना चांदपुर में मुकदमा संख्या 192/26 धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ कर अवैध हथियारों के स्रोत और उसके नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। आपराधिक इतिहास खंगाल रही पुलिसः पुलिस जांच में सामने आया है कि अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ पूर्व में भी थाना चांदपुर में विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें बीएनएस की धारा 109, 110, 131 सहित अन्य मामले शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि आरोपी पूर्व से ही आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है। पुलिस टीम की अहम भूमिका : इस सफलता में उपनिरीक्षक अब्दुल कादिर और कांस्टेबल मुकेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम की तत्परता और सतर्कता के चलते यह कार्रवाई संभव हो सकी। अभियान रहेगा जारी : पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। अवैध हथियार रखने और अपराध में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी दरोगा बनकर युवती से शादी का झांसा,आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। क्षेत्र में एक युवक द्वारा खुद को पुलिस विभाग में दरोगा बताकर युवती से शादी का झांसा देने और उसके परिजनों से ठगी करने के आरोपी को पुलिस ने फर्जी दस्तावेज और दरोगा की वर्दी के साथ गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को वादी ने तहरीर देकर आरोप बताया था कि ग्राम बिन्जाहेड़ी निवासी अवनीश कुमार ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर खुद को पुलिस में उपनिरीक्षक बताया।आरोपी ने वादी की पुत्री से शादी का वादा किया और इसी बहाने परिजनों से रुपये हड़प लिए।तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।कार्रवाई

करते हुए शुक्रवार को पुलिस ने आरोपी अवनीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के समय आरोपी उपनिरीक्षक की वर्दी पहने हुए था और उसके पास से कई फर्जी दस्तावेज भी बरामद हुए।पुलिस के अनुसार बरामद दस्तावेजों में भर्ती से संबंधित कागजात,नामिनल रोल और व्यक्तिगत विवरण शामिल हैं,जिनमें खुद को पुलिस लाइन हापुड़ में तैनात और सुल्तानपुर में प्रशिक्षण प्राप्त दशार्या गया था।आरोपी से पूछताछ जारी है,जिससे अन्य संभावित तथ्यों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

कलक्ट्रेट सभागार में विनियमन समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न, लापरवाही पर सख्त दिखे सभापति अश्विनी त्यागी

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

बिजनौर। कलक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता समिति के सभापति अश्विनी त्यागी ने की। बैठक में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभापति अश्विनी त्यागी ने अधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने जिला आबकारी अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता जल निगम के बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि इस लापरवाही के खिलाफ शासन को पत्र भेजा जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि

अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति पूरी तरह सजग और जवाबदेह रहें, अन्यथा कार्रवाई तय है।समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड शत-प्रतिशत बनाए जाएं। साथ ही टीबी मरीजों को मिलने वाली ह्यपोटलीह्न सुविधा किसी भी हाल में न छूटे, यह सुनिश्चित किया जाए। टीबी मरीजों के पोषण में सहयोग देने वाले अधिकारियों और संस्थाओं की सूची उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए।वन एवं पर्यटन के क्षेत्र में अमानगढ़ टाइगर रिजर्व को आय का प्रमुख स्रोत बनाने तथा पर्यटकों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग को नामांकन बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने और लापरवाह शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया। वहीं समाज कल्याण विभाग को छात्रवृत्ति वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।विद्युत विभाग को जिला विद्युत समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने और शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों के पत्रों, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। सभापति अश्विनी त्यागी ने कहा कि ह्लनियम और विनियम जनता के हित में बनाए गए हैं, इसलिए उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में वर्ष 2024 से अब तक जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए पत्रों, विकास कार्यों से जुड़े प्रस्तावों एवं विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संपत्ति विवरण प्रस्तुत करने तथा भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायतों पर की गई कार्रवाई का भी जायजा लिया गया।जिलाधिकारी ने समिति को आश्वस्त किया कि सभी निदेर्शों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित किया जाएगा तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा।

बस स्टेशन पर नेपाली यात्रियों के मोबाइल चोरी

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

बिजनौर/नजीबाबाद। रोडवेज बस स्टेशन क्षेत्र में चोरों ने नेपाली यात्रियों को निशाना बनाते हुए उनके मोबाइल फोन उड़ा लिए।पीड़ित शेर बहादुर,राजेंद्र बहादुर और रमेश खत्री ने बताया कि वे कोटद्वार में मजदूरी करते हैं और बुधवार देर शाम नजीबाबाद पहुंचे थे। बस न मिलने के कारण तीनों यात्री रात में बस स्टेशन परिसर में ही रुक गए।इसी दौरान अज्ञात चोर उनके दो मोबाइल फोन चोरी कर ले गए।सुबह घटना की जानकारी होने पर यात्रियों ने रोडवेज कर्मचारियों को सूचित किया।इसके बाद कर्मचारियों ने आरोपियों की पहचान के लिए बस स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी।घटना के बाद यात्रियों में रोष बना हुआ है।

युवती को बहला फुसलाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। युवती को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस ने युवती को सकुशल बरामद कर लिया है।

बुधवार को पीड़ित पक्ष द्वारा तहरीर देकर बताया गया कि ग्राम महेश्वरी जट निवासी सुल्तान उनकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी।जांच के दौरान पुलिस ने गुरुवार को युवती को सकुशल

बरामद कर लिया।इसके बाद शुक्रवार को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सुल्तान को गिरफ्तार कर लिया।आरोपी को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार, कांस्टेबल सचिन कुमार,कांस्टेबल शंशाक एवं महिला हेड कांस्टेबल रेशमा चौधरी शामिल रही।

पुलिस ने अवैध शस्त्रों के साथ चार आरोपी दबोचे,भारी मात्रा में कारतूस बरामद

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

बढ़ापुर। अपराध की रोकथाम और अवैध शस्त्रों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से अवैध हथियार और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में मनदीप सिंह,गुरप्रीत सिंह, अमरजीत सिंह उर्फ ठाकर और इस्मीत सिंह शामिल हैं।ये सभी आरोपी उत्तराखंड के काशीपुर और

जनपद बिजनौर के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से एक डबल बैरल 12 बोर बंदूक,14 जिंदा कारतूस,एक खोखा कारतूस,एक अवैध 315 बोर तमंचा,27 जिंदा कारतूस और एक रामपुरी चाकू बरामद किया गया।पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

मिशन शक्ति का दम : चांदपुर में पुलिस ने रेलवे स्टेशन व चौराहों पर महिलाओं को किया जागरूक, हेल्पलाइन नंबरों की दी पूरी जानकारी

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । थाना चांदपुर क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर पुलिस का मिशन शक्ति अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 को मिशन शक्ति फेस-5 और साइबर टीम थाना चांदपुर द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान चांदपुर रेलवे स्टेशन एवं हल्दौर चौराहे जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर आयोजित किया गया, जहां पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें उनकी सुरक्षा से जुड़े अधिकारों और उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक किया, जिनमें 1090 वूमेन पावर लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 108 स्वास्थ्य सेवा और 1930 साइबर हेल्पलाइन प्रमुख रूप से शामिल हैं। महिलाओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा या साइबर ठगी के मामलों में तुरंत इन नंबरों पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। साइबर टीम ने इस अवसर पर ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया से जुड़े खतरों के प्रति भी जागरूक किया। लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस का संदेश : पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर व जागरूक बनाना है, ताकि वे किसी भी विपरीत परिस्थिति में बिना डर के अपनी बात रख सकें। अभियान रहेगा जारी : थाना चांदपुर पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आगे भी लगातार जारी रहेंगे, जिससे समाज में सुरक्षा और जागरूकता का स्तर और अधिक मजबूत किया जा सके।

पुलिस चौकी से चंद कदम दूर चोरी चांदपुर में एग्रीकल्चर स्टोर से 75 हजार उड़ाए, वारदात CCTV में कैद

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । थाना चांदपुर क्षेत्र में बीती रात चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। हैरानी की बात यह है कि चोरों ने इस घटना को अंजाम पुलिस चौकी से महज कुछ कदमों की दूरी पर दिया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम मनौटा निवासी अमित कुमार की अंबेडकर पुलिस चौकी के पास ह्लअमित एग्रीकल्चर स्टोरह्व के नाम से दुकान है। शुक्रवार सुबह जब वह रोजाना की तरह अपनी दुकान खोलने पहुंचे, तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान का गल्ला टूटा हुआ था और दान पात्र भी क्षतिग्रस्त मिला। पीड़ित अमित कुमार ने तुरंत 112 पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोर दुकान के जीने के रास्ते अंदर घुसा और गल्ले में रखे करीब 40,000 रुपये तथा दान पात्र में रखे लगभग 35,000 रुपये चोरी कर ले गया। इसके साथ ही चोर ने दुकान में तोड़फोड़ भी की। घटना को अंजाम देने के बाद चोर आसानी से मौके से फरार हो गया। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसकी फुटेज पुलिस द्वारा खंगाली जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस चौकी के नजदीक हुई इस चोरी से स्थानीय व्यापारियों में भय और आक्रोश का माहौल है। पुलिस का बयान : थाना प्रभारी निरीक्षक चांदपुर राहुल सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों में रोष : घटना के बाद क्षेत्र के व्यापारियों ने पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

चोरों का आतंक,चार नलकूपों से मोटर स्टार्टर समेत सामान चोरी

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

किरतपुर। बुधवार रात भोजपुर बुडगरा मार्ग पर चोरों ने जमकर उत्पात मचाया और एक के बाद एक चार नलकूपों को निशाना बनाते हुए मोटर,स्टार्टर व अन्य कृषि उपकरण चोरी कर लिए। पीड़ितों में बृजेश कुमार ,मनोज कुमार,दीपू और रविंद्र सिंह शामिल हैं,जिनके नलकूपों से कीमती सामान चोरी हुआ।चोरों ने रविंद्र सिंह के नलकूप से मोटर, स्टार्टर और बिजली के तार ही नहीं,बल्कि वहां रखे खाना बनाने के बर्तन तक भी उठा ले गए।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में जांच पड़ताल शुरू कर दी।

भाजपा का गांव चलो अभियान, घर घर पहुंच कर सरकार की योजनाओं की जानकारी दी

भूरे सिंह यादव/
बुलंद मंज़िल

सौंधन/संभल। संभल के असमोली विधानसभा क्षेत्र के कैला देवी मंडल में भाजपा के पदाधिकारियों द्वारा शुक्रवार को चलाया गांव चलो अभियान' भाजपा के पदाधिकारियों ने अभियान के तहत गांव नारंगपुर,भमोरी पट्टी,मिलक आदि गांव में घर-घर पहुंच कर संपर्क कर संवाद किया और भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों के लोगों को अवगत कराया गया ' और ग्रामीणों की समस्यों को भी सुना इस दौरान भाजपा जिला मंत्री श्री देवचंद सैनी जुगलकिशोर मंडल अध्यक्ष नीरज यादव महा मंत्री चुनमुन राव जिला पंचायत सदस्य अशोक यादव पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डाकघर कर्मचारी पर लापरवाही का आरोप, डाकघर के सामने ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया

दैनिक बुलंद मंज़िल
बीरेंद्र सिंह/सिंहपुरसानी

असमोली। विकास खंड असमोली क्षेत्र के गांव ऐंचौड़ा कंबोह उपडाकघर पर गुरुवार को डाकघर के खाताधारकों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद प्रवर अधीक्षक डाकघर मुरादाबाद मंडल को शिकायती पत्र भेजा है। जिसमें ग्रामीणों ने उप डाकघर ऐंचौड़ा कंबोह में तैनात कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र भेजा।ग्रामीणों ने उप डाकघर ऐंचौडा कंबोह में तैनात कर्मचारी नियमित और समय पर डाकघर में नहीं रहता है।वह समय पर डाकघर भी नहीं खोलता है। वह डाक वितरण में भी लापरवाही करता है जिस कारण क्षेत्र के लोगों को समय पर डाक उपलब्ध नहीं होती है और उसकी लापरवाही के कारण हम लोग बचत खातों में धनराशि भी समय पर जमा नहीं कर पाते हैं।हम लोग उससे समयानुसार डाकघर खोलने तथा नियमित कार्य करने को कहते हैं तो वह अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए जेल भिजवाने की धमकी देता है।ग्रामीणों ने प्रवर अधीक्षक डाकघर मुरादाबाद मंडल से शिकायती पत्र भेज कर डाकघर कर्मचारी के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करते हुए शाखा डाकघर ऐंचौड़ा कंबोह की व्यवस्था सुधारने की मांग की है। पत्र पर योगेश गुप्ता, अनमोल बंसल, मुशारीफ, जाकिर, नदीम आदि के हस्ताक्षर हैं।

मनौना धाम महंत जी महाराज ने तंजानिया मे लगाया वाबा श्याम का दरवार

भारतीय उच्चायुक्त ने की मुलाकात , विशेष चर्चा

दैनिक बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता

रामपुर । शुक्रवार को श्री श्याम मंदिर मनौना धाम आवला के वरेली के महंत श्री ओमेन्द्र महाराज 7 दिवसीय धार्मिक यात्रा पर तंजानिया मे है धार्मिक यात्रा के दूसरे दिन महंत श्री ओमेन्द्र महाराज से दार एस सलाम मे स्थित भारतीय उच्चायोग के उच्चायुक्त श्री विश्वदीप डे ने मुलाकात की तथा सनातन धर्म तथा वाबा श्याम के मनौना धाम मे हो रहे चमत्कारो के वारे मे गहन चर्चा हुयी तथा तंजानिया मे लगभग 60000 हजार भारतीय समुदाय की सुरक्षा तथा अन्य संसाधनो तथा दोनो देशो के वीच राजनयिक आर्थिक तथा सांस्कृतिक संवंधो के वारे मे महंत जी महाराज ने जानकारी हासिल की भारतीय उच्चायोग मे उच्चायुक्त से मुलाकात के वाद तंजानिया मे स्थित पटेल समाज हाल मे वाबा श्याम का दरवार लगाया जिसमे हजारो की संख्या मे भारतीय समुदाय के श्याम भक्त तथा तंजानिया के लोगो ने भाग लिया जिसमे महंत जी महाराज ने वाबा श्याम की कृपा तथा मनौना धाम के चम्तकारो के वारे मे भक्तो को विस्तार से बताया तथा श्याम भक्तो को आशीर्वाद दिया , तंजानिया मे महंत श्री ओमेन्द्र महाराज का श्याम भक्त भव्य स्वागत कर रहे है।

नशे की गिरफ्त में कोराँव: अड्डों पर बिखर रहा युवाओं का भविष्य

खुलेआम नशाखोरी, गुटों में घूमते युवक फैला रहे दहशत – प्रशासन बेखबर

एजेंसी

कोराँव, प्रयागराज। तहशील क्षेत्र कोराँव में इन दिनों नशे का जाल इस कदर फैल चुका है कि अब यह सामाजिक समस्या से बढ़कर कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। कस्बे के कई हिस्सों में नशेड़ियों ने अपने स्थायी अड्डे बना लिए हैं, जहां दिन ढलते ही युवाओं की भीड़ जुटने लगती है। इन अड्डों पर बैठकर युवा न सिर्फ नशे का सेवन कर रहे हैं, बल्कि गुट बनाकर पूरे इलाके में दहशत का माहौल भी बना रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये नशेड़ी युवक राह चलते लोगों से अभद्रता करते हैं, गाली-गलौज करते हैं और विरोध करने पर मारपीट तक उतारू हो जाते हैं। हालात ऐसे हैं कि शाम के बाद महिलाएं और बुजुर्ग घर से निकलने में भी डर महसूस करते हैं।

सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि नशे की इस लत में स्कूल-कॉलेज के युवा तेजी से फंसते जा रहे हैं। पढ़ाई से दूरी, परिवार से टकराव और गलत संगत के चलते उनका भविष्य अंधेरे में जाता दिख रहा है। अभिभावकों की चिंता बढ़ती जा रही है, लेकिन ठोस कार्रवाई का अभाव हालात को और बिगाड़ रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार भी तेजी से पैर पसार रहा है, जिससे जुड़े लोग बेखौफ होकर काम कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और भयावह हो सकती है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि नशे के अड्डों पर तत्काल छापेमारी कर सख्त कार्रवाई की जाए और युवाओं को बचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। अब सवाल यह है कि आखिर कब जागेगा प्रशासन और कब बचेगा कोराँव का भविष्य?

नोटों की आग में जली न्याय की साख ! जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा–सवालों के घेरे में पूरा मामला

ट्रांसफर, शपथ और फिर सन्नाटा–जांच के साये में खत्म हुआ न्यायाधीश का कार्यकाल

एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जुड़ी एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जिसने न्यायिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने आखिरकार राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा भेज दिया है। यह पूरा मामला उस वक्त सुर्खियों में आया था, जब चौदह मार्च दो हजार पच्चीस को उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास में आग लगने की घटना सामने आई। इस आग के दौरान पांच सौ-पांच सौ रुपये के नोटों के बंडल जलने की बात सामने आई, जिसने पूरे सिस्टम को हिला कर रख दिया। घटना के बाद न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली उच्च न्यायालय से स्थानांतरित कर इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेजा गया। पांच अप्रैल दो हजार पच्चीस को उन्होंने यहां शपथ तो ली,लेकिन उन्हें किसी भी प्रकार की न्यायिक जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई। जांच पूरी होने तक उन्हें न्यायिक कार्यों से दूर रखा गया–जो अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। सूत्रों के अनुसार, नौ अप्रैल को उन्होंने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेज दिया था, लेकिन इसकी जानकारी दस अप्रैल को सामने आई। अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि वह राष्ट्रपति कार्यालय को उन परिस्थितियों से अवगत कराकर असहज नहीं करना चाहते, जिनके कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। गहरे दुख के साथ उन्होंने तत्काल प्रभाव से अपने पद से इस्तीफा देने की बात कही और इस पद पर सेवा को अपने लिए सम्मान बताया। यह घटनाक्रम न केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे की कहानी है, बल्कि यह न्यायपालिका की पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वसनीयता पर भी गंभीर बहस छेड़ रहा है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच का अंतिम सच क्या सामने आता है और क्या इस पूरे मामले में जवाबदेही तय हो पाएगी।

बीटा में फसल का सच उजागर: बीमा योजना के तहत गेहूं की पैदावार का जमीनी परीक्षण

कागज नहीं, खेत बोले–क्रॉप कटिंग में सामने आई औसत उपज की हकीकत

एजेंसी

बारा, प्रयागराज। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसलों की वास्तविक उत्पादकता और उत्पादन का सटीक आकलन करने के उद्देश्य से किए जाने वाले फसल कटाई प्रयोगों की हकीकत जानने के लिए तहसीलदार बारा सुश्री रोशनी सोलंकी ने शुक्रवार को ब्लॉक जसरा के ग्राम भीटा में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खेतों में सीधे उतरकर गेहूं की फसल पर किए जा रहे फसल कटाई प्रयोग की बारीकी से पड़ताल की गई। यह वही प्रक्रिया है, जिसके आधार पर किसानों को बीमा दावों का लाभ मिलता है, इसलिए इसकी पारदर्शिता और शुद्धता बेहद अहम मानी जाती है। मौके पर राजस्व टीम और ग्रामीण प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किए गए इस प्रयोग में सामने आया कि ग्राम पंचायत भीटा में गेहूं की औसत उत्पादकता बत्तीस कुंतल प्रति हेक्टेयर दर्ज की गई, जो सामान्य श्रेणी में आती है। इस दौरान राजस्व विभाग की टीम से रवीन्द्र सिंह, शैलेन्द्र सिंह, लेखपाल शिवसागर के साथ ग्राम प्रधान भीटा और कृषक फूलचन्द्र द्विवेदी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपादित हो, ताकि किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न हो। गौरतलब है कि फसल कटाई प्रयोग ही वह आधार है, जिस पर बीमा कंपनियां मुआवजे का निर्धारण करती हैं। ऐसे में तहसीलदार का यह निरीक्षण न केवल प्रशासनिक सक्रियता को दशार्ता है, बल्कि किसानों के हक की सुरक्षा की दिशा में एक अहम कदम भी माना जा रहा है।

सिटी साइड पार्किंग पर ताला, यात्रियों की राह बदली

पंद्रह अप्रैल से नया नियम लागू, अब सिविल लाइंस ही सहारा

एजेंसी

प्रयागराज। संगम नगरी के दिल प्रयागराज जंक्शन से जुड़ी यह बड़ी खबर हर उस यात्री के लिए अहम है, जो अपनी गाड़ी से स्टेशन पहुंचने की योजना बना रहा है। अगर आप पंद्रह अप्रैल के बाद जंक्शन आने वाले हैं, तो अब आपकी राह पहले जैसी आसान नहीं रहने वाली। रेलवे प्रशासन ने बड़ा फैसला लेते हुए जंक्शन के सिटी साइड यानी लीडर रोड की पार्किंग व्यवस्था पर पूरी तरह रोक लगाने का ऐलान कर दिया है। पंद्रह अप्रैल से इस तरफ किसी भी दोपहिया या चार पहिया वाहन का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। अब यात्रियों को अपनी गाड़ियां खड़ी करने के लिए सिविल लाइंस साइड–यानी प्लेटफार्म संख्या छह की ओर बनी पार्किंग का ही सहारा लेना होगा। यानी शहर की ओर से आने वाले यात्रियों को अब लंबा चक्कर लगाकर स्टेशन पहुंचना पड़ेगा। दरअसल, जंक्शन के सिटी साइड पर इन दिनों बड़े पैमाने पर पुनर्विकास और निर्माण कार्य जारी है। रेलवे स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने की कवायद के बीच यह सख्त कदम उठाया गया है। लीडर रोड की ओर पहले से ही सीमित पार्किंग और बेतहाशा वाहनों की आवाजाही ने हालात बिगाड़ रखे थे। अक्सर यहां ऐसा जाम लगता था कि राहगीरों से लेकर यात्रियों तक सभी को भारी परेशानी झेलनी पड़ती थी। कई बार तो स्टेशन पहुंचना ही चुनौती बन जाता था। रेलवे का दावा है कि इस फैसले से न सिर्फ जाम से राहत मिलेगी, बल्कि स्टेशन परिसर में यातायात भी अधिक सुव्यवस्थित होगा। हालांकि, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सिविल लाइंस साइड पर बढ़ने वाले दबाव को कैसे संभाला जाता है। कुल मिलाकर साफ है–अब प्रयागराज जंक्शन पहुंचने से पहले अपनी योजना बदल लीजिए,

CMYK

Why Jordan Unhappy with Iran's Attacks on Gulf Countries?

Jordan's Ambassador to India, Yousef Abdelghani welcomed the ceasefire agreement reached between the United States and Iran, noting that Jordan, from the very beginning, has been calling for a peaceful resolution of the conflict. In an interview, Abdelghani condemned Iran's targetting of Gulf countries, infrastructure, oil structure, oil fields and closing the Strait of Hormuz. He also mentioned about India-Iran ties, describing them as "solid, strong" and based on mutual interests and shared values. Here is the full text of the interview.

Q: How do you view the current diplomatic relationship between Jordan and India?

Yousef Abdelghani: Our relations are very strong, solid, based on mutual interest and shared values. Last year, we celebrated the 75th anniversary of establishing diplomatic ties between Jordan and India.

Q: What new initiatives are being planned to strengthen trade ties between India and Jordan?

Yousef Abdelghani: During Prime Minister Modi's last visit to Jordan, we agreed to strengthen bilateral trade between the two countries from the current level, around three billion US dollars, to almost five billion US dollars. We also agreed to look for new avenues of cooperation in different fields between Jordan and India.

Q: How significant is the cooperation between India and Jordan amid current geopolitical situation in the Middle East?

Yousef Abdelghani: It is very important, given the fact that Jordan is part of the IMEC trade route between India and Europe.

Q: How do you see the ongoing tension involving US and Iran, including temporary ceasefire and upcoming peace talks?

Yousef Abdelghani: Jordan has been from the beginning promoting peace and calling for peaceful resolution of conflicts. We are not part of these hostilities and we call for peace in the region.

Q: How has the disruption of Strait of Hormuz impacted global stability and trade?

Yousef Abdelghani: It is impacting. We witnessed that before in Bab al-Mandeb and Red Sea...I think all countries in the region and the whole world should support that these straits are open for trade and any obstacles put to this will affect not just the country of the region but the whole world as we've seen. Every country has been hit because of the closure of the Strait of Hormuz.

Q: Do you think the conflict in West Asia is primarily about oil and gas or about geopolitical influence and demonstrating power at global stage?

Yousef Abdelghani: We have been hearing lots of things about the tensions in the region. But, Jordan has called for peace to prevail. One of the main pillars of our foreign policy, as His Majesty the King stated, is to promote peace in the region and beyond. History proved that we were right because what happened after destruction of Iraq and dissolving the Iraqi army was that the country went into chaos.

Q: How do you see the current situation in West Asia and its long-term implications?

Yousef Abdelghani: First of all, we condemn what Iran has been doing. Iran has been targetting the Gulf countries, the infrastructure, oil structure, oil fields and closing the Strait of Hormuz... This we condemn and also Iran targetting our infrastructure in Jordan. During the Syrian civil war and during the emergence of ISIS, we were at the forefront of fighting terrorism on behalf of the whole world. So, conflicts have been surrounding us, but we've been peaceful all the time. But, the consequences of these conflicts affected us because we observed refugees from everywhere. From Palestine, we received in 1948, 1967, from the Iraqi civil war we received refugees more than a million.

Q: Do you believe in Iran's statement that it is not having a nuclear bomb?

Yousef Abdelghani: We in the Middle East and I think Iran is part of non-proliferation treaty and our policy is that we are against obtaining nuclear weapons in the region... We want the Middle East to be clear of nuclear weapons and this should be applied to all countries, including Israel.

Q: Do you think peace is possible between Iran, US and Israel or will this conflict continue?

Yousef Abdelghani: No, we believe wisdom should prevail and war brings more wars... Because we are in the region, we witnessed that... What happened in one country will affect the other countries. Look what has happened... The answer is peace and negotiations and war brings about agony, suffering to all people in the region. This conflict is the main conflict in our region. If this conflict is not resolved, if the international community will not help us to resolve this conflict, the cycle of violence will continue. Many factions or organisations will use Palestinian issue as an excuse to have violence or provoke violence in our region.

Q: How does Jordan view Iran's targetting of gulf countries because apparently they allowed the US to use their bases?

Yousef Abdelghani: They denied that. They said we don't allow United States to use our military bases to target Iran. But, still Iran will target them and it is not okay. They are not only targetting military bases but also civilian infrastructure like oil fields. So, this has to be condemned. This is not acceptable. We are keen to have a very strong and solid relations with Iranians. The Iranians are our brothers, and we are in the region for centuries.

We have been living in peace and harmony. So, this is not acceptable... for them to target us because we have no bad intentions towards Iran or we want regime change or ask for regime change or ask for anything. We don't support that, but we expect the Iranians to support our sovereignty and territorial integrity and not to target our infrastructure.

Q: Are Jordan's senior leaders planning to visit India in the near future?

Yousef Abdelghani: Of course! Last February, Her Majesty Queen Rania visited India. It was a high-level visit. I think that exchange visit is one of the things that has been agreed upon during the visit of Prime Minister Modi to Jordan and the relations between his majesty and Prime Minister Modi are very strong and solid. They do exchange regular phone calls and interactions and the last two phone calls were made by Prime Minister Modi to show solidarity with Jordan during the incidents of targetting of our infrastructure. We also have an Indian diaspora in Jordan, more than 20,000 Indians live, we are taking good care of them in Jordan. Jordan is very important to India because we help support food security with fertilizers, with phosphoric acid, with phosphate, raw phosphate and raw potash. This also supports food security and industrial food industry here in India. So, we are keen to have strong, solid relations. We are keen to exchange regular visits. We are keen to have more development in our relations in the future.

Fear of Dengue Outbreak

Dengue, a mosquito-borne disease, affects millions of people every year across Asia, Africa and Latin America. And it's expanding geographically as warmer temperatures and urban growth allow mosquito populations to thrive in new regions.

At first glance, dengue seems like an obvious candidate for vaccination. It is caused by a virus. Infection triggers an immune response. Vaccines against similar viruses already exist.

But dengue is complicated. It is not caused by just one virus, but by four closely related ones known as serotypes. When someone is infected with one, the immune system usually protects them against that specific type — but not against the other three. In some cases, a previous infection can actually make a new infection happen more easily.

Little wonder that dengue is one of the most common mosquito-borne viral diseases in the world. Scientists estimate that around 390 million infections occur every year, and it's an important public health concern in Africa.

Currently, one dengue vaccine is established in global clinical use. Dengvaxia is only for use if a person has been infected before. A newer vaccine — TAK-003 — has been recommended by the World Health Organization for use in children aged 6-16 years in settings with high dengue transmission, regardless of prior infection status. It is administered in two doses.

Additionally, next-generation vaccines are being developed, including one in Brazil. Overall, vaccine performance still varies depending on factors such as prior infection, age and transmission intensity, meaning that vaccination strategies must be carefully tailored to each population.

Dengue outbreaks and evidence of transmission have been documented in Kenya, Tanzania, Sudan, Senegal and Ivory Coast. It may be even more widespread on the continent than previously recognised, partly because testing and surveillance systems are still developing in many regions.

The disease spreads through the bite of infected Aedes mosquitoes, particularly Aedes aegypti. These mosquitoes breed in standing water, which is often near where people live. Dengue symptoms include high fever, headache, pain behind the eyes, muscle and joint pain, nausea and rash. Most people recover within about a week, but in some cases the infection can become severe and lead to bleeding, organ damage or shock. Transmission tends to increase during rainy seasons, when mosquito populations expand.

Stroke Risk in Young Adults

A new population-based study from Sweden has found that individuals born with low birthweight face a significantly higher risk of stroke in young adulthood, regardless of their body mass index (BMI) or gestational age at birth.

The findings were presented at the European Congress on Obesity (ECO2026) in Istanbul, Turkey, highlighting the importance of early-life factors in adult cardiovascular health.

Researchers, including Dr Lina Lilja and Dr Maria Bygdell of the University of Gothenburg, analysed data from nearly 800,000 Swedish men and women born between 1973 and 1982.

The study linked information from the Medical Birth Register, the National Conscription Register, the National Patient Register, and the Cause of Death Register to track stroke incidence until December 31, 2022.

The study recorded 2,252 first stroke events among participants, with 1,624 ischaemic strokes and 588 intracerebral haemorrhages. Individuals with birthweights below the median of 3.5 kg showed a 21 per cent higher risk of stroke overall, with similar increased risks observed for both ischaemic stroke and haemorrhagic stroke. Women with low birthweight had an 18 per cent increased risk, while men faced a 23 per cent increase.

Importantly, these associations were independent of gestational age and BMI in young adulthood, which were not themselves significant predictors of stroke.

While overall stroke rates have declined in high-income countries over recent decades, the decrease has been less marked among young and middle-aged adults.

In some regions, including parts of Southeast Asia, Oceania, and high-income countries like Sweden, the United States, and the United Kingdom, stroke incidence is even rising among younger adults.

The researchers note that understanding risk factors such as low birthweight could inform preventive strategies for future generations.

Where Juveniles Drawn into Spy Network ?

Vicky Nanjappa

In recent months, multiple arrests have been made in connection with an alleged Pakistan Inter-Service Intelligence-backed espionage racket operating in India. Investigators say a wide network of operatives had been assembled to gather information on public spaces and defence establishments.

Officials note that while Pakistan's intelligence agency has long attempted to recruit assets in India, its methods are evolving. A striking feature of the latest network is the significant number of juveniles involved.

A juvenile is defined as a person below 18 years of age and is governed by the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, or JJ Act. Such individuals cannot be lodged in regular jails or police lock-ups, and their identity is protected. While the 2015 amendment permits those aged 16 to 18 accused of heinous offences to be tried as adults after an assessment of their mental and physical capacity, they cannot be awarded life imprisonment or the death penalty.

> By taking advantage of laws governing juveniles, ISI-backed handlers found it easier to recruit and control them. Investigators observed a pattern in which many were lured with small amounts of money.

The ISI appears to be exploiting provisions of the JJ Act while recruiting juveniles for espionage. These networks also include adult operatives who guide and supervise the juveniles in carrying out assigned tasks. Further details on the use of juveniles emerged during the investigation into a module allegedly set up by Meerut-based operative Suhel Malik. He is said to have built a network of 21 individuals, including nine juveniles. They were tasked with installing closed-circuit television (CCTV) cameras at railway stations and security force installations in Sonipat, Delhi, and other locations. The objective, investigators said, was to relay live feeds to ISI-backed handlers in Pakistan.

By taking advantage of laws governing juveniles, ISI-backed handlers found it easier to recruit and control them. Investigators observed a pattern in which many were lured with small amounts of money. Some recruits, aged 16 to 17, were already struggling with substance use, and the payments were sufficient to meet their needs.

An official said juveniles are often drawn to the idea of power and belonging to a gang. Malik allegedly convinced them that they were working for a powerful group and that such tasks would enhance their status. They were told that installing CCTV cameras at sensitive locations was part of a major heist, which impressed them and made them willing to carry out the assignments.

Another official said some of the juveniles were later told that they were working for the ISI and not a criminal gang. This made little difference to them, as they were drawn by the money that they were earning, much of which was spent on drugs.

Investigators also noted that heavy use of mobile phones and the internet made communication easier. The recruits were added to online groups such as "Lawrence Bishnoi007", which gave them a sense of identity and influence. Being part of such groups reinforced their belief that they were involved in something significant.

An Intelligence Bureau official said that the ISI is expected to continue this recruitment pattern. The use of juveniles may not remain limited to espionage, as they could also be drawn into terror groups and tasked with carrying out attacks.

KAJOL CALLS JAYA BACHCHAN A 'CLASSY GAL' ON HER 78TH BIRTHDAY

As veteran actress Jaya Bachchan turned a year older on Thursday, Kajol used social media to wish the actor and politician on her special day.

Kajol took to the Stories section of her official Instagram handle and uploaded a rare photo of the two ladies.

Wishing Jaya Bachchan with a lot of hugs and kisses, the 'Maa' actress penned on the photo-sharing app, "Happy birthday to this classy gal! Hugs and kisses,(red heart emoji) #JayaBachchan(sic)".

The candid still posted by Kajol is most likely from last year's Durga Puja celebrations hosted by the 'Kuch Kuch Hota Hai' actress and her family.

The photograph showed both Jaya Bachchan and Kajol dressed in stunning sarees. They were seen smiling in a candid still in which Kajol lovingly held the veteran actress's hand. The bond between the two actresses is highly palpable in the photo.

It must be noted that Kajol and Jaya Bachchan share a great rapport and are often seen greeting one another with utmost warmth whenever they appear in public together.

They are frequently seen together during Durga Puja festivities in Mumbai.

For those who do not know, Kajol and Jaya Bachchan shared the screen space in Karan Johar's blockbuster "Kabhi Khushi Kabhie Gham".

Backed by Yash Johar, the drama enjoys an ensemble cast with Amitabh Bachchan, Shah Rukh Khan, Hrithik Roshan, and Kareena Kapoor in significant roles, along with Rani Mukerji making a guest appearance.

One of the most celebrated actresses of her time, Jaya Bachchan gained recognition with "Guddi" and went on to deliver some memorable roles in movies "Abhimaan", "Mili", and "Sholay", to name just a few. She took a break from acting after tying the knot with Bollywood legend Amitabh Bachchan. However, she made a comeback with some more powerful performances in "Fiza" and "Kabhi Khushi Kabhie Gham".

Jaya Bachchan last graced the screen with Karan Johar's "Rocky Aur Rani Kii Prem Kahaani," co-starring Ranveer Singh and Alia Bhatt.

Raghav Chadha meets Sanjay Dutt, says *'Always rooting for you'*

Raghav Chadha hosted Sabhay Dutt at his home. The Aam Aadmi Party Rajya Sabha member heaped praise on the Bollywood star's latest performance in the blockbuster duology "Dhurandhar" and said that he is always rooting for him.

Raghav took to Instagram, where he shared a string of pictures from Sanjay's visit to his abode. The politician shared that Sanjay's the "warmest" person he knows.

"Had the pleasure of hosting at my place, some time ago, one of the warmest people I know, Sanjay Dutt," wrote Raghav, who is married to Bollywood actress Parineeti Chopra, in the caption section.

Heaping praise on his performance as SP Aslam in the Aditya Dhar's directorial, which also stars Ranveer Singh, Akshaye Khanna, R. Madhavan, Danish Pandor, Gaurav Gera and Sara Arjun.

"So good to see all the love coming your way for 'Dhurandhar'. The aura remains the same, and so does the admiration people have for you through every era. Couldn't be more deserved. Always rooting for you!"

The duology's first part released in 2025. Titled "Dhurandhar", the film's plot focused on a covert counter-terrorism operation. It traces the story of an undercover Indian intelligence agent who infiltrates Karachi's criminal syndicates and political power structures in Pakistan in an effort to dismantle a terror network targeting India.

The second part, christened Dhurandhar: The Revenge released in March and It follows an undercover Indian intelligence agent who continues to infiltrate Karachi's criminal syndicates and Pakistani politics while avenging the 26/11 attacks and confronting bigger threats.

The film's storyline loosely draws inspiration from multiple real-life geopolitical events and conflicts in South Asia, such as Operation Lyari, 2014 Indian general election, 2016 Indian banknote demonetisation and various other events.

Meanwhile, Raghav got married to Parineeti in 2023 in Rajasthan. They welcomed their firstborn, a son named Neer in October 2025.

Nia Sharma says not everyone understands her 'experiments', reveals her biggest task

Popular television actress Nia Sharma shared that not everyone "understands" her experiments, when it comes to her looks and also added that her biggest task is to wash her hair, which is full of products.

Nia posted a video of herself from backstage at the culinary comedy show titled "Laughter Chef Fun Unlimited", where she is seen talking about sporting the "Jennifer Lopez look".

In the clip, she is heard saying: "This is my JLo look and the only person who commented today is Bharti (Singh). Bharti, you like my look, right?"

The show's host Bharti Singh replied with "hot" for Nia's look.

To which, Nia said: "My makeup is different. This is my JLo look."

Bharti added: "Maine, sabse pehle maine bola ke makeup. Bohot acha hai. Toh isne kuch English mein bola ke makeup ka naam woh hai."

Nia then goes up to chef Harpal Singh Sokhi and asks him if he has any idea about makeup. She also speaks about her "JLO look" and Grammy-winner Jennifer Lopez.

To which, Harpal plays an Uno reverse card and says he knows who Lopez and Zendaya are.

For the caption, Nia wrote: "Not everyone understands my experiments! My JLO look."

She then shared a video of herself after she woke up and revealed that her biggest task is to wash her hair.

"The biggest task that I have today is washing my hair. Itna product hai, itna product hai.... What styling. You can even run your own fingers through your hair man."

For the caption: "After flaunting your hairstyle for 16 hours straight."

Talking about Nia, she is also known for her roles in 'Behenein', 'Ek Hazaaron Mein Meri Behna Hai'.'Meri Durga', 'Kaali - Ek Agnipariksha'. In 2020, she participated in 'Khatron Ke Khiladi: Made in India' and emerged as the winner. Nia has also worked in web series like 'Twisted', and 'Jamai 2.0'.

Surbhi Jyoti presents a *'photo buffet'* flaunting her baby bump

Television actress Surbhi Jyoti, on Wednesday evening, treated her fans to a "photo buffet" as she shared a series of adorable pictures where she was seen proudly flaunting her baby bump.

The actress who is all set to welcome her first baby, in February this year had announced her pregnancy and had taken to her social media for sharing the good news with her fans. In the latest set of pictures, the mommy-to-be is seen in different attires where she was seen flaunting her baby bump.

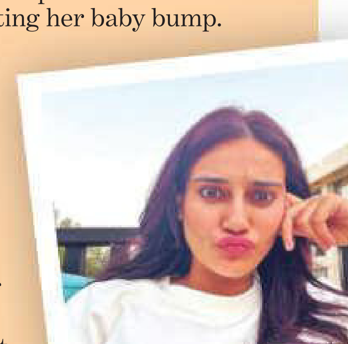

In one close-up selfie, she is seen making a playful pout. In another picture, the actress is seen in a pink printed co-ord set, posing calmly near plants and a pool. In another picture, Surbhi looks radiant in the same pink outfit, smiling and highlighting her pregnancy glow.

In another picture, Surbhi was seen placing her hands delicately on her baby bump as if striking a conversation with her baby in the womb. Her latest caption read, "Photo buffet," further adding a pink flower.

Earlier, while announcing her pregnancy, Surbhi had shared an emotional post that read, "Om Our greatest adventure begins. Little Love arriving this June."

Neeru Bajwa says *'talent sab toh zyada'* in fun BTS with kids

Punjabi star Neeru Bajwa has shared a glimpse into the making of a song for the upcoming film "Jawaak" and heaped praise on her little co-stars, whom she said are immensely talented. Neeru took to Instagram, where she shared BTS video montage of her dancing with kids for a song titled "Bachke Bachke" from the upcoming film "Jawaak", meaning "little ones", which has been locked for a May 8 release.

She wrote: "#bts bachke bachke... chote Chote bache te talent sab tho zyada ... Waheguru hamesha thohanu chardi kala'ch rakhey. Jawaak in theatres May 8, 2026. (#BTS Bachke Bachke... these little kids have talent beyond measure... May Waheguru always keep you in high spirits Jawaak in theatres on May 8, 2026).

The film is set in a community backdrop, and events unfold around personal conflict and shifting relationships. As tensions rise, individuals are forced to confront difficult choices.

The result is moulded by results to loyalty pressure and consequence, as per the synopsis.

Talking about Neeru, she will next be seen in the Punjabi film "Thaapi" with Bollywood actor Sunny Singh, who is making his Punjabi film debut.

Neeru on April 2 took to Instagram and shared the announcement, which read: "Some journeys are truly special—ones that always remain close to your heart. After bringing many films together, our storyteller is now stepping into the role of a director."

"Jagdeep, thank you for always making me a part of your beautiful, meaningful stories. I am confident that, as always, you will create a heartfelt and wonderful film—one that will raise the standard of Punjabi cinema even higher."

कथित आपत्तिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणियों के विरोध में बरेली कलेक्ट्रेट गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणियों के विरोध में बरेली कलेक्ट्रेट गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला फूंका और उसे पैरों से कुचलकर विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि इस प्रकार की निकृष्ट मानसिकता रखने वाले व्यक्ति को मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को यह तक नहीं पता कि किसी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष के लिए किस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए, वह अपनी मानसिकता स्वयं उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो व्यक्ति स्वयं भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिरा हो, उसे पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया यह बयान देश की जनता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और आने वाले चुनाव में जनता इसका जवाब देगी।

वहीं वरिष्ठ नेता के.के. शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जिस तरह अपने मुख्यमंत्रियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करवा रही है, यह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए खतरनाक है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भाजपा को भी विपक्ष में बैठना पड़ सकता है और इस प्रकार की राजनीति का परिणाम उसे भुगतना पड़ेगा। मुख्यरूप सेप्रवक्ता पंडित राज शर्मा रमेश श्रीवास्तव, उल्फत सिंह कठेरिया, विनोद कुमार,मनोज शर्मा, योगेश जायसवाल, तीर्थ मधुकर, ?म के घोष,विनोद कुमार, गोरंग घोस, साहब सिंह, महेंद्र पाल गंगवार, मोबिन अंसारी, जीशान अफरीदी, जाकिर हुसैन, शाकिर सकलेनी, जितेंद्र बाबू,हरीश गंगवार,मनोज कुमार घोष, ?म एस खान आदि मौजूद रहे

दबंगों का आतंक अधिवक्ता के घर के बाहर तोड़फोड़, बहन को दी अश्लील धमकीह्व

सीसीटीवी में घटना कैद , 10-12 गुंडों की मौजूदगी में दिया घटना को अंजाम

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में दबंगई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक अधिवक्ता के घर के बाहर खड़ी दो बाइकों में तोड़फोड़ कर बहन को अश्लील गालियां और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित अधिवक्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर सुभाषनगर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सुभाषनगर निवासी अधिवक्ता के अनुसार, 5 अप्रैल 2026 की रात करीब 8:30 बजे उनके पड़ोसी आशुतोष उर्फ मिली पुत्र दिनेश चंद्र शर्मा ने घर से निकलते ही बाहर खड़ी दो बाइकों (वढटउ 0424 व वढ25 इउ 3766) में तोड़फोड़ कर दी। घटना के समय घर पर मौजूद उनकी बहन ने विरोध किया, तो आरोपी ने गंदी-गंदी गालियां देते हुए धमकी दी ह्लबाहर निकल, तेरा ऐसा हाल करूंगा कि समाज में मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगी।- स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वह घर से बाहर नहीं निकलीं।

पहले से बुला रखे थे 10-12 गुंडे

पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने पहले से ही 10-12 गुंडों को अपने घर में बुला रखा था, जिससे परिवार पूरी तरह दहशत में आ गया।

पुलिस कॉल रिसीव नहीं, आरोपी ने पुलिस को भी ललकारा

परिजनों ने 112 नंबर पर कई बार कॉल की, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। बाद में 1076 पर कॉल करने पर एक आरक्षी मौके पर पहुंचे, जिन्हें आरोपी ने कथित रूप से चुनौती देते हुए कहा -खाकी वर्दी में अब दम नहीं बचा।- यह घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

छेड़छाड़ और धमकी के भी आरोप

पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी और उसका भाई शशांक उर्फ छोटू अक्सर उनकी बहन पर अश्लील टिप्पणियां करते हैं और कचहरी से लौटते समय छेड़छाड़ भी कर चुके हैं। साथ ही उनके माता-पिता भी विवाद के लिए उकसाते हैं। पीड़ित अधिवक्ता ने बताया कि 5 अप्रैल को थाना सुभाष नगर में तहरीर देने के बावजूद अब तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। उन्होंने एसएसपी से आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, 10 दिन बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं

पीड़िता की मां ने एसएसपी से लगाई गुहार, गांव की महिलाओं व अज्ञात युवक पर आरोप

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना शेरगढ़ क्षेत्र के ग्राम में नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने गांव की ही दो महिलाओं व एक अज्ञात युवक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, पुलिस द्वारा 10 दिन बाद भी रिपोर्ट दर्ज न किए जाने पर पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है।

प्रार्थिनी ने बताया कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री को गांव की महिला व उसकी पुत्री नरेंद्र ने एक अज्ञात युवक के संपर्क कराया था।। आरोप है कि उन्होंने नाबालिग को मोबाइल फोन दिलवाकर युवक से लगातार बातचीत कराई। 31 मार्च 2026 को जब मां ने बेटी को युवक से बात करते हुए पकड़ लिया, तो उसने मोबाइल छीन लिया। इसके बाद कुछ समय के लिए वह अपने दूसरे घर चली गईं। लौटने पर बेटी घर से गायब मिली। परिजनों का आरोप है कि उक्त लोगों ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अज्ञात युवक के साथ भगा दिया। मां को आशंका है कि बेटी के साथ कोई अनहोनी हो सकती है। पीड़िता ने बताया कि घटना की सूचना थाना शेरगढ़ में दी गई, लेकिन करीब 10 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। जिसके बाद महिला ने एसएसपी अनुराग आर्य से न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जैन इंस्पिरेशनल यूथ अवॉर्ड से सम्मानित हुए डॉ. पारस

दैनिक बुलन्द मंज़िल

नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित ठउद्ब्उ कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भव्य समारोह में बागपत जनपद के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. पारस जैन को - जैन इंस्पिरेशनल यूथ अवॉर्ड- से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा द्वारा जैन समाज की युवा पीढ़ी को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

समारोह का शुभारंभ आध्यात्मिक गरिमा के साथ हुआ, जिसमें पूज्य राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108 प्रज्ञसागर जी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में देश के कई प्रमुख गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, खेल मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री राधा मोहन अग्रवाल तथा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, भूतपूर्व मंत्री भारत सरकार प्रदीप जैन आदित्य व आकाश जैन सीईओ आदिनाथ टीवी चैनल प्रमुख रूप से शामिल रहे।

बता दे कि डॉ. पारस जैन, जो बड़ौत (बागपत, उत्तर प्रदेश) से संबंध रखते हैं, को उनके पत्रकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समाज सेवा के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। समारोह के दौरान उन्हें ट्रॉफी, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच पर मौजूद विशिष्ट अतिथियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग, युवा एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिभागी उपस्थित रहे। समारोह का वातावरण उत्साह और गौरव से भरा हुआ था। मंच से वक्ताओं ने युवाओं को समाज सेवा और सकारात्मक योगदान के लिए प्रेरित किया। डॉ. पारस जैन को मिला यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत उपलब्धियों का प्रतीक है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय भी है।

बहेड़ी में दबंगों का कहर: युवक पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला

सीएससी सेंटर बंद कर खाना खाने गया था युवक, हालत नाजुक

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बहेड़ी थाना क्षेत्र में दबंगों द्वारा एक युवक पर जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामूली कहासुनी के बाद आरोपियों ने युवक के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवक की हालत नाजुक बनी हुई है और वह

आईसीयू में वेंटिलेटर पर जिंदगी की जंग लड़ रहा है। पीड़ित भाई की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम रसूलपुर निवासी सुरेन्द्र कुमार के भाई सतेन्द्र कुमार, जो भारतीय स्टेट बैंक बहेड़ी में कार्यरत हैं, बीती रात करीब 8 बजे अपना सीएससी सेंटर बंद कर चौधरी होटल पर खाना खाने पहुंचे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे अंकित कुमार निवासी मोहम्मदपुर गौटिया अपने दो अन्य साथियों के साथ पहुंचे और किसी बात को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने सतेन्द्र कुमार को बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया।नजान बचाने के लिए सतेन्द्र किसी तरह अपनी मोटरसाइकिल से वहां से भागे, लेकिन आरोपी उनका पीछा करते रहे। बहेड़ी बाईपास रोडवेज बस स्टैंड के पास पहुंचते ही आरोपी अंकित कुमार ने पीछे से लोहे की रॉड से सिर पर जोरदार वार कर दिया। हमले के बाद सतेन्द्र कुमार मौके पर ही मोटरसाइकिल सहित गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एक अज्ञात एम्बुलेंस द्वारा बरेली के आरआर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां से परिजन उन्हें वेदान्ता हॉस्पिटल ले गए। वर्तमान में घायल की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है और वह आईसीयू में वेंटिलेटर पर हैं।पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

मजदूर दिवस पर संयुक्त रूप से कार्यक्रम करेगा शिक्षणेत्तर कर्मचारी संयुक्त परिषद

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर 1 मई 2026 को बरेली ट्रेड यूनियंस फेडरेशन के साथ मिलकर शिक्षणेत्तर कर्मचारी संयुक्त परिषद बरेली के जिलाध्यक्ष हरी शंकर के नेतृत्व में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों से संपर्क कर उन्हें शामिल होने का आमंत्रण दिया जा रहा है। जिलाध्यक्ष हरी शंकर ने जानकारी देते हुए बताया कि मजदूर दिवस श्रमिकों के संघर्ष, एकता और अधिकारों का प्रतीक है। इस दिन सभी कर्मचारी एवं श्रमिक संगठन एक मंच पर आकर अपनी समस्याओं को मजबूती से उठाते हैं और उनके समाधान के लिए आवाज बुलंद करते हैं।

उन्होंने कहा कि बरेली ट्रेड यूनियंस फेडरेशन के साथ मिलकर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम श्रमिक एकता का सशक्त उदाहरण बनेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत विचार गोष्ठी, जागरूकता अभियान एवं श्रमिकों के अधिकारों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही, कर्मचारियों की लंबित समस्याओं जैसे समय पर वेतन, पदोन्नति, सेवा सुरक्षा एवं कार्यस्थल पर सम्मान जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि भी अपने विचार रखेंगे और श्रमिकों के हित में एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारियों एवं श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अंत में जिलाध्यक्ष हरी शंकर ने सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर मजदूर दिवस को सफल बनाएं और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित रहें।

पिपिंग सेरेमनी: पंकज श्रीवास्तव बने एडिशनल एसपी, एडीजी और एसएसपी ने बैज लगाकर किया सम्मानित

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर लंबे समय से सक्रिय रहे सीओ सिटी तृतीय पंकज कुमार श्रीवास्तव को शासन ने प्रमोशन देकर एडिशनल एसपी बनाया है। शुक्रवार को जोन कार्यालय में आयोजित पिपिंग सेरेमनी के दौरान कंधे पर नए रैंक के प्रतीक चिन्ह लगाकर अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में एडीजी रमित शर्मा और एसएसपी अनुराग आर्य ने पंकज कुमार श्रीवास्तव के कंधों पर अशोक की लॉट लगाई। अधिकारियों ने उनके अब तक के कार्यों की सराहना करते हुए नई जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

कानून-व्यवस्था में निभाई अहम भूमिका

पंकज कुमार श्रीवास्तव बरेली में सीओ सिटी तृतीय और प्रथम जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अपराध नियंत्रण, संवेदनशील मामलों की जांच और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। विशेष रूप से मकर संक्रांति, उर्स आला हजरत और कांवड़ यात्रा जैसे बड़े आयोजनों में उनकी सक्रियता और रणनीतिक नेतृत्व को सराहा गया। वहीं जनवरी 2025 में आयोजित धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में उन्होंने जमीनी स्तर पर मोर्चा संभालते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया। भीड़ प्रबंधन से लेकर संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी तक, हर स्तर पर उनकी कार्यशैली प्रभावी रही।

अब एएसपी के रूप में बढ़ेंगी जिम्मेदारियां

एएसपी पद पर प्रोन्नति के साथ ही उनके दायित्व और बढ़ गए हैं। अब उन्हें जिले और जोन स्तर पर और व्यापक स्तर पर कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग की जिम्मेदारी निभानी होगी। कार्यक्रम में एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी यातायात मो. अकमल खान, सीओ स्टाफ ऑफिसर धर्मेंद्र कुमार राय, सीओ गोपनीय मो. शोएब, सीओ नगर प्रथम आशुतोष शिवम और सीओ एलआईयू विजय कुमार राणा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मिनी बैंक संचालक को दौड़ाकर घेरा, लोहे की रॉड से सिर कुचलकर सरेआम हत्या, जानें क्या है पूरा मामला

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बहेड़ी थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली वारदात में गुरुवार रात मिनी बैंक संचालक की लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। जान बचाने के लिए वह बाइक से भागा, लेकिन हमलावरों ने पीछा कर उसे घेर लिया और सिर पर ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया।

होटल पर विवाद, गाली-गलौज से शुरू हुआ बवाल

शीशगढ़ थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर निवासी 32 वर्षीय सतेंद्र कुमार नगर पालिका परिसर में एसबीआई की मिनी ब्रांच और सीएचसी सेंटर संचालित करता था। गुरुवार रात वह मिनी ब्रांच बंद करने के बाद मोहम्मदपुर चौराहा बाईपास पर शराब भट्टी के पास स्थित एक होटल पर खाना खा रहा था। इसी दौरान मोहम्मदपुर गौटिया निवासी अंकित अपने दो साथियों के साथ वहां पहुंचा और किसी बात को लेकर सतेंद्र से गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर तीनों ने मिलकर उसकी पिटाई शुरू कर दी।

बाइक से भागा, पीछा कर रोडवेज के पास घेरा

हमले से घबराकर सतेंद्र बाइक से मौके से भागा, लेकिन हमलावरों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। रोडवेज के पास उसे घेर लिया गया और सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया गया। गंभीर चोट लगते ही वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा। घायल सतेंद्र को निजी एंबुलेंस से बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पहले भाई सुरेंद्र की तहरीर पर जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया था, लेकिन मौत के बाद इसमें हत्या की धारा जोड़ दी गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस, आरोपियों की तलाश तेज

इंस्पेक्टर बहेड़ी दिनेश कुमार शर्मा के मुताबिक, घटना की गहन जांच की जा रही है। आसपास के करीब 300 मीटर क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें दबिश दे रही हैं। सतेंद्र की शादी करीब चार साल पहले हुई थी और उसकी एक छोटी बेटी है। वह दो भाइयों में सबसे छोटा था। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। अच्छे व्यवहार के कारण क्षेत्र में उसकी अच्छी पहचान थी,

कोहाड़ापीर में अतिक्रमण पर टकराव: लाल निशान लगते ही भिड़े कब्जेदार, लौटी निगम टीम

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। शहर में सीएम ग्रिड परियोजना के तहत चल रहे सड़क चौड़ीकरण अभियान ने कोहाड़ापीर इलाके में तीखा मोड़ ले लिया। कुदेशिया फाटक तक अतिक्रमण चिह्नित करने पहुंची नगर निगम की टीम को कब्जेदारों के विरोध का सामना करना पड़ा। हालात इतने बिगड़े कि नोकझोंक हाथापाई तक पहुंच गई और टीम को बीच में ही कार्रवाई रोककर लौटना पड़ा। नैनीताल रोड पर निगम की टीम मुश्किल से 100 मीटर तक ही अतिक्रमण चिह्नित कर पाई थी। इस दौरान 20 से अधिक कब्जों पर लाल निशान लगाए गए। जैसे ही निशान लगे, कुछ कब्जेदार भड़क उठे और निगम के नक्शे-मानचित्र पर सवाल उठाते हुए विरोध शुरू कर दिया।निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जांच वर्ष 1920-1921 के पुराने नक्शे के आधार पर की जा रही है। इसी आधार पर कई जगह तीन फीट से लेकर 11 फीट तक अतिक्रमण सामने आया है। यही तथ्य सामने आते ही विवाद और तेज हो गया।

सपा नेताओं की एंट्री, माहौल हुआ गरम

कब्जेदारों के समर्थन में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिससे माहौल और ज्यादा तनावपूर्ण हो गया। बहस बढ़ते-बढ़ते हाथापाई तक पहुंच गई। हालांकि प्रवर्तन दल और सुरक्षा बलों की सख्ती के बाद स्थिति को काबू में किया गया। कोहाड़ापीर से कुदेशिया फाटक और प्रेमनगर धर्मकांटा तक करीब 2.4 किलोमीटर लंबा मॉडल रोड सीएम ग्रिड योजना के तहत बनाया जा रहा है। सड़क और फुटपाथ चौड़ीकरण से पहले अतिक्रमण सबसे बड़ी रुकावट बनकर सामने आ रहा है।

पहले हटे कब्जे, अब चिह्नित हो रहे बाकी

मंगलवार को निगम टीम ने कोहाड़ापीर से लल्ला मार्केट तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। गुरुवार को आगे की कड़ी में राजस्व और निर्माण विभाग की टीम चिह्नितकरण के लिए पहुंची थी, लेकिन विवाद के चलते काम अधूरा रह गया। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने दो टूक कहा कि अतिक्रमण नियमों के अनुसार ही चिह्नित किए जा रहे हैं और सड़क-फुटपाथ पर कब्जे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि गुरुवार को ट्रैफिक ज्यादा होने के कारण काम प्रभावित हुआ, जिसे शुक्रवार को पूरा किया जाएगा। एक-दो दिन में पूरे क्षेत्र में अतिक्रमण चिह्नित कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। निगम की सख्ती का असर भी दिखने लगा है। कोहाड़ापीर से लल्ला मार्केट तक कई कब्जेदार अपने अतिक्रमण खुद ही हटाते नजर आए, जिससे साफ है कि आने वाले दिनों में बड़े स्तर पर कार्रवाई तय है।

सिर्फ एक इमोजी और दोस्त बना जल्लाद, रील्स के झगड़े में पटरी पर पटक-पटक कर ले ली अमन की जान

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। इंटरनेट मीडिया की लत अब जानलेवा रूप लेने लगी है। रील्स पर एक गलत इमोजी ने युवक की जिंदगी छीन ली। किला क्षेत्र में अमन रजा की हत्या के पीछे चौंकाने वाली वजह सामने आई है, इंस्टाग्राम रील्स पर रिएक्शन को लेकर विवाद उपजा था।

इमोजी से शुरू हुआ विवाद, हत्या तक पहुंचा मामला

पुलिस जांच में सामने आया कि किला के जखीरा निवासी समद मूसा रील्स बनाने का शौकीन था। वह जब भी कोई रील्स पोस्ट करता, तो मलूकपुर निवासी अमन रजा उस पर उल्टे-सीधे इमोजी भेज देता था। दुख भरी पोस्ट पर हंसी और हंसी वाली पोस्ट पर दुख का इमोजी भेजने से समद लगातार चिढ़ता जा रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच इंस्टाग्राम चैट पर बहस भी हुई थी, जो धीरे-धीरे दुश्मनी में बदल गई।

सिटी स्टेशन के बंद क्वार्टर में रची साजिश

समद ने अमन को मिलने के बहाने सिटी स्टेशन के पास बुलाया। दोनों बातचीत करते हुए बंद पड़े रेलवे क्वार्टर तक पहुंच गए। वहीं पर विवाद बढ़ा और समद ने अमन को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। पूछताछ में सामने आया कि समद ने अमन को उठाकर रेलवे पटरी पर पटक दिया, जिससे उसके गले में गंभीर चोट आई। इसके बाद भी वह नहीं रुका और पीठ व छाती पर लात-घूंसों से हमला करता रहा। जब अमन की मौत हो गई, तो समद ने शव को खींचकर खंडहर में ले जाने की कोशिश की। सफल न होने पर उसे पीठ पर उठाकर बंद क्वार्टर में ले गया और स्लैब के नीचे छिपा दिया। बुधवार सुबह अमन का शव वहीं बरामद हुआ।

चाय वाले के फोन से किया कॉल, ऐसे पकड़ा गया आरोपी

हत्या को अंजाम देने के लिए समद ने शातिराना तरीका अपनाया। उसने अपने फोन का इस्तेमाल नहीं किया, बल्कि इलाके के एक चाय वाले के फोन से अमन को कॉल कर बुलाया। पुलिस ने जब अमन के फोन की सीडीआर खंगाली तो दो संदिग्ध नंबर सामने आए। जांच के बाद चाय वाले से पूछताछ हुई, जहां से समद का नाम सामने आया। लोकेशन मिलान के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस जांच में खुलासा, आरोपी जेल भेजा

सीओ सिटी आशुतोष शिवम ने बताया कि अमन रजा की हत्या समद मूसा ने की है। वजह सिर्फ रील्स पर गलत रिएक्शन देना था। आरोपी ने पूछताछ में अपराध कबूल कर लिया है और उसे जेल भेज दिया गया है।